



04 - योगी कैबिनेट में बढ़ेगी आधी आबादी की हिस्सेदारी?



05 - जन प्रतिनिधित्व करते हैं ग्रामीण संवाददाता

A Daily News Magazine

मोपाल  
गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 230, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - देश की 10 'सेफ सिटीज' में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में...



07 - किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों में तैल कोटे 4 से बढ़ाकर 6...

# कृषि

प्रसंगवश

## अमेरिका अब तक ईरान को क्यों नहीं हरा पाया?

राजेश राजगोपालन

**अ**मेरिका और इजराइल ईरान के खिलाफ जीत क्यों नहीं पा सके? ऐसे कई उदाहरण हैं जहां बड़ी ताकतों छोटे विरोधियों से हार गईं। लेकिन यहां मध्य पूर्व में जो हो रहा है, वह पूरी तरह हाई-इंटेन्सिटी पारंपरिक युद्ध नहीं है। असल समस्या यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इसे 'कम खर्च में जीतना' चाहते हैं। यह तब काम कर सकता था अगर लक्ष्य सीमित होता, जैसे पिछले साल ऑपरेशन मिंडनाइट में हुआ था, या इस साल वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस माद्रुरो को फंसेना में। हो सकता है कि इन 'सस्ती जीतों' ने ट्रंप को ज्यादा आत्मविश्वास बना दिया हो।

इस बार उनका लक्ष्य बहुत बड़ा है: ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना। यह लक्ष्य तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक ईरान की इस्लामी सरकार को नहीं हटाया जाता, और यह शायद बिना जमीनी आक्रमण के संभव नहीं है। इसके बजाय ट्रंप ने धमकियों का इस्तेमाल करके ईरान को परमाणु हथियार छोड़ने पर मजबूर करने की कोशिश की। लेकिन ऐसी धमकियां तभी काम करती हैं जब आपकी विश्वसनीयता हो, यानी आप यह दिखाएँ कि आप अपने लक्ष्य के लिए नुकसान सहने को तैयार हैं। ईरान ने दिखाया है कि वह दर्द सहने की क्षमता रखता है।

ईरान को हर क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है: उसकी वायुसेना, जो पहले ही बहुत मजबूत नहीं थी, काफी हद तक नष्ट हो गई है, उसकी नौसेना का बड़ा हिस्सा फारस की खाड़ी में डूब चुका है, और उसकी एयर डिफेंस प्रणाली भी बहुत कमजोर

हो गई है। उसके मिसाइल भंडार और नई मिसाइल बनाने की क्षमता के बड़े हिस्से भी नष्ट हो चुके हैं, हालांकि इन्हें फिर से बनाया जा सकता है।

सबसे गंभीर बात यह है कि उसके कई शीर्ष नेता मारे जा चुके हैं। समस्या यह है कि अमेरिका और इजराइल के सामने यह स्थिति है कि, इन सब के बावजूद, इस्लामिक शासन झुकने वाला नहीं है। अमेरिका के सामने एक बड़ी समस्या यह है कि वह उन दो चीजों को करने से रोका गया है जो वास्तव में काम कर सकती हैं। पहला है ईरान के तेल ढांचे को निशाना बनाना। एक तरफ, अमेरिका और उसके खाड़ी के सहयोगी इसे सही ठहरा सकते हैं क्योंकि ईरान पहले ही अपने पड़ोसी देशों के तेल उद्योग पर हमला कर चुका है। कतर, जो क्षेत्र में ईरान का सबसे करीबी दोस्त है, उसकी रास लाफान LNG संरचना पर हमला हुआ और उसे काफी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, यह पूरी तरह अमेरिका और इजराइल की क्षमता में है कि वे ईरानी सुविधाओं पर हमला कर सकते हैं। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया है, तो इसका कारण यह है कि ट्रंप तेल की कीमतों और उनके अमेरिकी शेयर बाजार पर असर को लेकर बहुत संवेदनशील रहे हैं। हालांकि वह बार-बार कहते हैं कि अमेरिका पर इसका कम असर होगा क्योंकि उसके पास पर्याप्त तेल और गैस है, लेकिन वह जानते हैं कि यह एक कमजोर तर्क है। अमेरिका वास्तव में तेल का शुद्ध निर्यातक है, लेकिन तेल बाजार एक ही ग्लोबल मार्केट बाजार है। जो कीमतों अमेरिका के उपभोक्ता देते हैं, वही दुनिया के बाकी उपभोक्ता भी देते हैं (स्थानीय टैक्स और अन्य शुल्क को छोड़कर)। इसलिए अगर वैश्विक स्तर पर तेल की

कीमत बढ़ती है, तो अमेरिका इससे बच नहीं सकता।

ईरानी तेल सुविधाओं पर हमला करने से यही प्रभाव होगा। यह भी एक कारण है कि अमेरिका ने रूसी और ईरानी तेल पर प्रतिबंध हटाए हैं, क्योंकि इन्हें ग्लोबल सप्लाई में जोड़ना कीमतों को कम रखने का एक तरीका है। अमेरिका ने इजराइल को भी ईरानी तेल ढांचे पर हमला करने से रोक दिया है।

डिस्टेंस के लिहाज से समस्या यह है कि ईरान जानता है कि यह ट्रंप की एक कमजोरी है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया है। वह अपने पड़ोसियों पर हमला कर सकता है ताकि उन्हें अमेरिका का साथ देने की सजा दे सके, बिना किसी जवाबी कार्रवाई के डर के। इसके अलावा, तेहरान अपने पड़ोसियों को अमेरिका की बेबसी भी दिखा रहा है। यह ईरानी मनोबल और भविष्य की क्षेत्रीय स्थिति दोनों के लिए जरूरी है। इसलिए, तेहरान में बचा हुआ शासन जानता है कि अमेरिका की धमकियों की भी सीमाएं हैं।

एक और बड़ा डर, जिस पर ईरान भरोसा कर रहा है, वह है ट्रंप की यह अनिच्छा कि वे जमीनी सैनिक भेजें, ईरान पर ग्राउंड इनवेजन करें, या यहाँ तक कि फारस की खाड़ी में ईरानी द्वीपों पर सीमित हमला भी करें। यह पहले से साफ था, हालांकि न तो ट्रंप और न ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसे समझ पाए, कि ईरान के परमाणु हथियारों की महत्वाकांक्षा पूरी तरह खत्म नहीं हो सकती जब तक ईरान की इस्लामी सरकार को हटाया न जाए।

उसके परमाणु ठिकानों का एक बड़ा हिस्सा नष्ट

कर दिया गया है, लेकिन पूरे कार्यक्रम को केवल हवाई हमलों या गुप्त ऑपरेशनों से खत्म नहीं किया जा सकता। इनसे कार्यक्रम की रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन उसे जड़ से खत्म नहीं किया गया है। परमाणु हथियारों की कोशिश ईरानी शासन की रणनीति के अंदर गहराई से जुड़ी हुई है, और वे इसे अपनी खुद की अस्तित्व जितना ही महत्वपूर्ण मानते हैं।

यह शासन इसके लिए बहुत बड़ी कुर्बानियाँ देने को तैयार रहा है, जबकि यह एक तेल-समुद्र देश है जिसे ऐसी ऊर्जा तकनीक की जरूरत नहीं है। यह कहना कि ईरान सिर्फ अपनी तकनीकी संप्रभुता बचाना चाहता है या वह लंबे समय के भविष्य की तैयारी कर रहा है, हास्यास्पद बहाने हैं, क्योंकि शासन ने इसके लिए असमान रूप से बहुत बड़ी कुर्बानियाँ दी हैं। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो अंततः एक हथियार बनाने के लिए बनाया गया है।

अमेरिका और इजराइल ईरान के परमाणु कार्यक्रम का 'घास कर' की तरह नियंत्रित कर सकते हैं: यानी समय-समय पर हमला करके उसे फिर से बनाने या आगे बढ़ाने की कोशिशों को नष्ट कर सकते हैं। यह एक लंबी अवधि की प्रतिबद्धता है, जिसे अमेरिका खासकर शायद ही करेगा।

ईरान को बस कुछ साल इंतजार करना है जब अमेरिका में एक अधिक जोखिम से बचने वाली सरकार आ जाए, और फिर वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को फिर से शुरू कर सकता है। अगर परमाणु हथियारों के कार्यक्रम को रोकना है तो शासन परिवर्तन जरूरी है। और यह कीमत ट्रंप देने को तैयार नहीं है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मोहन कैबिनेट ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा

## जमीन अधिग्रहण पर अब मिलेगा चार गुना मुआवजा



**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कृषि भूमि के अधिग्रहण पर गुणन कारक (मल्टीप्लिकेशन फैक्टर) को दोगुना करते हुए 2.0 कर दिया गया है। इससे अब अधिग्रहित कृषि भूमि का मुआवजा किसानों को दोगुना के स्थान पर बाजार दर से 4 गुना प्राप्त होगा। यह निर्णय संपूर्ण प्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के अधिग्रहण पर लागू होगा। मंत्रि-परिषद ने नगरीय सीमा में मुआवजा गुणन कारक को यथावत एक रखा गया है। मंत्रि-परिषद ने इसके साथ सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के कार्यों के लिए लगभग 33 हजार 985 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी दी है। कैबिनेट ने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के लिए शेल्डर होम बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। शेल्डर होम में मरीज के परिजनों को रुकने और खाने की व्यवस्था सस्ती दरों पर मिल सकेगी। यह व्यवस्था निर्माणधीन मेडिकल कॉलेजों में भी लागू होगी।

**भू-अर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा मिलने से किसानों को होगा जबरदस्त फायदा**

मंत्रि-परिषद ने किसानों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिफल और पारदर्शिता का अधिकार नियम 2015 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक को बढ़ाकर 2.0 कर दिया गया है, जिससे किसानों को अब उनकी कृषि भूमि का बाजार दर से 4 गुना मुआवजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में मंत्री श्री तुलसीराम सिलवाट, श्री राकेश सिंह और श्री चेतन्य कुमार काश्यप की उपस्थिति में अनुशंसा की थी। उपस्थिति में अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन करने के साथ ही विभिन्न किसान संगठन क्रेडिट, सीआईआई और फिक्की से चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की थी।

### छिन्दवाड़ा सिंचाई कामप्लेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रुपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा छिन्दवाड़ा सिंचाई कामप्लेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रुपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रुपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ने परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

## खाड़ी संकट ने बढ़ाई नई अनिश्चितता

ईरान-अमेरिका में 'बेपटरी' वार्ता से बढ़ा संकट, एक्टिव सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया में शांति को लेकर बातचीत फिलहाल फंस चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक तरफ एकतरफा सीजफायर बढ़ाने की बात कही है, वहीं तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ इलाके में अपनी मिलिट्री के 5,000 अतिरिक्त जवानों को भी उतारने वाले हैं। वहीं, ईरान ने भी होर्मुज में अपनी मुस्लेदी और बढ़ा दी है। ऐसे में फारस की खाड़ी में 28 फरवरी, 2026 के बाद से निकलने के इंतजार में खड़े रह गए भारतीय जहाजों के सामने बहुत बड़ा संकट पैदा हो गया है। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल के मुताबिक फारस की खाड़ी में इस समय अपने 14 जहाज मौजूद हैं। इनमें से 13 पर भारतीय झंडे लगे हैं और एक जहाज भारत के स्वामित्व वाला है, लेकिन किसी अन्य देश में रजिस्टर्ड (अन्य देश का झंडा) है।



### भारतीय जहाजों की सुरक्षा पर लगातार नजर

अधिकारियों का कहना है कि फारस की खाड़ी में खड़े भारतीय जहाजों की सुरक्षा की स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई है। इसके लिए भारत सरकार लगातार ईरानी सरकार के साथ संपर्क में है। यह समीक्षा शनिवार को दो भारतीय जहाजों पर ईरानी नौदी की ओर से हुई फायरिंग के बाद हुई है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाले थे। इससे पहले 10 भारतीय जहाज इस क्षेत्र से गुजर चुके हैं।

### प्रोटोकॉल में सुधार की तत्काल जरूरत नहीं

बाद में इस घटना को लेकर यह बात सामने आई कि निशाना भारतीय जहाजों पर नहीं था और न ही इसके जरिए किसी बरू को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हुई। यह फायरिंग चेतावनी देने के लिए की गई थी। सोमवार को हुई इस समीक्षा के बाद कोई नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी नहीं की गई है और मौजूदा दिशानिर्देशों का ही पालन किया जा रहा है। एक अधिकारी के अनुसार हालांकि, हालात बदल रहे हैं, लेकिन प्रोटोकॉल में सुधार की तत्काल जरूरत नहीं है।

## पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जमकर गरजे लड़ाकू विमान

### जगुआर, सुखोई, एम-17 और तेजस ने दिखाया अपना दम

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फिर भारतीय वायु सेना के विमान गरजे। एयरफोर्स के फाइटर विमानों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमान की टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल जैसी परिस्थितियों में एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया गया। दोपहर बाद एयर शो की शुरुआत हुई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। एयर शो को लेकर मंगलवार को ही देश की सेना के जांबाज और फाइटर प्लेन सुल्तानपुर आए।



### एयरफोर्स के आए नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुल्तानपुर में बनी एयरस्ट्रिप पर सुखोई 30, जैगुआर, मिराज गरजते हुए टच डाउन किया। इसके साथ ही वायुसेना के एमआई 17 हेलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्टर सी 295, एएन 32 भी देखने को मिले। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप की लंबाई करीब 3.2 किलोमीटर है। यहां एयरस्ट्रिप की सतह की मोटाई लगभग 320 मिलीमीटर है। यह सुखोई, मिराज-2000 और जैगुआर जैसे भारी लड़ाकू विमानों के उतरने और उड़ान भरने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

## बिहार की सम्राट सरकार पर नीतिश की निगहबानी!

पटना (एजेंसी)। न्याय यात्रा, विकास यात्रा और समृद्धि यात्रा। इनके नाम पर जनता के मर्म को समझने और राज्य सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करने का सफर है। नीतिश कुमार अब अपनी यात्रा का क्या नाम देते हैं, यह पता नहीं। लेकिन, मुख्यमंत्री के पद पर नहीं रहते, यात्रा तो तय कर ही लिया। अब वे बिहार की जनता के प्रति 'तीसरी आंख' की भूमिका निभाएंगे। अब इसे नीतिश कुमार का सोशल अटैक कहें या वर्तमान सरकार की निगहबानी। मगर, इतना तो तय है कि वर्तमान सरकार को 'खुले सांड' की तरह नहीं छोड़ने वाले। बिहार के सियासी गलियारों में जब से बीजेपी के मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा शुरू हुई तब से उसके पैरलल नीतिश नीति पर

### तीसरी आंख की रोल में रहेंगे सुशासन बाबू, करेंगे मूल्यांकन



चलेगी सरकार की भी चर्चा होती रही। न केवल नीतिश कुमार बल्कि उनके वरीय और कनीय नेता भी एक ही राग अलाप रहे थे कि मुख्यमंत्री बनने का मतलब ये नहीं कि बीजेपी कोई अपना एजेंडा चला दे। इसलिए, पंचायत से लेकर राजधानी तक में राज्य सरकार के क्रिया-कलाप पर नजर रखी जाएगी। नीतिश कुमार की यात्रा पर निकलने की जो

प्लानिंग बनी है, उसके पीछे का मकसद है कि बीजेपी कहीं अंदरूनी एजेंडे को राह देने में तो नहीं लगी। पिछले दिनों एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समुदाय के शख्स की टोपी को अस्वीकार करने की घटना ने राज्य की सेक्युलर जनता को चौंकाया। टोपी लेना न लेना अपनी मर्जी है, मगर ये सरकार नीतिश कुमार के पद त्याग से बनी है। सम्राट चौधरी की इस हरकत के बाद एक अलग तरह का विवाद शुरू हो गया है। इस विवाद के साथ-साथ नीतिश का 'श्री सी' का कम्युनलिज्म प्रभावित होते दिखा।

### राजस्व विभाग के फैसले पर भी सवाल!

जदयू सूत्रों की मानें तो राजस्व विभाग के एक विवादित फैसला भी नीतिश कुमार के संज्ञान में लाया गया है। हुआ ये कि सत्ता में आने के बाद सम्राट चौधरी ने राजस्व विभाग के एक पुराने फैसले को पलट दिया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे हड़बड़ी में लिया गया निर्णय बताया जा रहा है। सत्ता से बेदखल नीतिश कुमार जदयू की राजनीति को जनता के अंतिम पायदान तक पहुंचाने में जुटे हैं। साथ ही साथ जनता के बीच खुद की मौजूदगी दर्ज कराने यात्रा पर निकलने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान नीतिश कुमार धरातल पर चल रही योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का आंकलन करेंगे। साथ ही इन योजनाओं का प्रभाव की भी खोज-खबर लेंगे। लेकिन इन सबके साथ नीतिश कुमार ये संदेश भी जनता को देंगे कि जो कहां था सो किया यानि आपको छोड़ कर नहीं जा रहे हैं।



## संक्षिप्त समाचार

## नीतिश कुमार ने बनाई जेडीयू की नई टीम

## राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेता, निशांत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें उनके बेटे निशांत कुमार को जगह फिलहाल नहीं मिली है। जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेताओं को रखा गया है। राज्यसभा सांसद संजय झा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जहानाबाद से पूर्व सांसद चंद्रेश्वर



प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष होंगे। वहीं, 12 नेताओं को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसमें मनीष कुमार वर्मा, आकाश अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर, हर्षवर्धन सिंह, मौलाना गुलाम रसूल और बलियावादी का नाम शामिल है। राजीव रजन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने रहेंगे। वहीं, रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तांगु और निवेदिता कुमारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

## नेपाल में पीएम बालेन शाह की सरकार को बड़ा झटका

## ● गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने भारी दबाव के बाद दिया इस्तीफा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब हाल के दिनों में व्यवसायी दीपक भट्टा के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर विवाद सामने आए हैं। दीपक भट्टा पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच चल रही है। गुरुंग ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस्तीफे की घोषणा की।

## शिवराज की अगुवाई में कृषि विकास को नई रफ्तार देने जा रहा है उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन

## लखनऊ में 24 अप्रैल को जुटेगा उत्तर भारत का कृषि नेतृत्व

नई दिल्ली/लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 24 अप्रैल, शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित होने जा रहा उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन किसान-केंद्रित, परिणामोन्मुख और समन्वित कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में उत्तर भारत के राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, एफपीओ, स्टार्टअप, केवीके, वित्तीय संस्थानों और खरीद एजेंसियों की भागीदारी के माध्यम से खेती, किसान आय, तकनीक, विपणन और कृषि अवसरचना से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज कृषि भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को अधिक आधुनिक, समावेशी और किसानोन्मुख बनाने के उद्देश्य से उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन 24 अप्रैल को लखनऊ में किया जा रहा है।

## योगी बोले-ममता दीदी को रामनाम से चिढ़ है

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा- बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहाँ उर्दू चलेगी। मैं कहता हूँ कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चक्रदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गोहत्या होती है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। शोभायात्रा निकालने की परमिशन नहीं मिलती, टीएमसी के गुंडे गुंडा टैक्स वसूलते हैं। ऐसी स्थिति यूपी में भी थी सपा के गुंडों को टैक्स देना होता था। विकास ठप था, राम का नाम लेने वालों पर लाठी-गोली चलती थी। आज यूपी में उत्सव है। कहीं रामनवमी का उत्सव, कहीं कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव, कहीं कांवड़ यात्रा का उत्सव। यूपी में सब शांति है माफिया और गुंडा समाप्त है।

## बंगाल की पहचान काबा नहीं मां काली से है

## कोलकाता के मेयर कहते हैं-यहां तो उर्दू चलेगी



## बेटी की इज्जत पर हाथ डालने वाला यमराज के घर जाता

सीएम योगी ने कहा- किसी बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ डालता है तो सीधे यमराज के घर जाता है। अन्नदाता किसान खुशहाल है, विकास की बहार है और 500 साल में जो काम नहीं हुआ, मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। इस बार बंगाल में डबल इंजन सरकार बनने जा रही है।

- रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा- सीएम योगी ने कहा- यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुरतों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूँ 4 मई को जब रिजल्ट आया तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। उन्होंने कहा- हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कटमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए। सीएम योगी ने नादिया जिले की चक्रदहा सीट पर रैली की।
- बुलडोजर माफिया-गुंडों की हडिडियों का हाईवे बना देता- सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हडिडी-पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या-काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी के गुंडों का कब्जा है।

## ममता बनर्जी के कामों से खतरे में लोकतंत्र

## बंगाल चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। आई-पैक पर हुई छपेमारी के समय ममता बनर्जी के प्रतीक जैन के घर में घुसने पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते हैं। उनके कामों से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि वह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो मुख्यमंत्री भी हैं और जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए पूरे सिस्टम का इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं और दो फेज में वोटिंग होनी है। इस



राजनैतिक मुद्दा बना था। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए। कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके कामों ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया।

## राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं

हालांकि इस तर्क से असहमति जताते हुए जस्टिस कुमार ने कहा, इसमें राज्य का कौन-सा अधिकार शामिल है। यह राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद नहीं है। आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री, किसी जांच या तपतीश के बीच में ही पहुंच जाता है, और आप कहते हैं कि यह असल में राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद है? उन्होंने पूछा, कोई भी मंत्री जांच के बीच में ही घला आता है और आप इसे लोकतंत्र के लिए खतरा मानते हुए भी यह तर्क देते हैं कि यह मूलतः राज्य और केंद्र के बीच का विवाद है।

## किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर कांग्रेस सेवादल का 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 23 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ होकर 24 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे तक जवाहर भवन, रोशनपुरा, भोपाल में आयोजित होगा। कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित इस सत्याग्रह का उद्देश्य प्रदेश के किसानों की समस्याओं-जैसे समर्थन मूल्य, फसल खरीदी में अनियमितता, भुगतान में देरी एवं प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद करना है। संगठन का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में किसानों को न्याय दिलाने के लिए लोकतांत्रिक और अहिंसात्मक तरीके से संघर्ष आवश्यक है। इस आंदोलन में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के तीनों विंग-सेवादल, महिला सेवादल एवं यंग ब्रिगेड सेवादल-के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्ष अपने-अपने साथियों सहित बड़ी संख्या में सेवादल यूनिफॉर्म में भाग लेंगे।

## लेंसकार्ट में तिलक विवाद

## एमपी-यूपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में हुआ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटरर्स से कहा, 'तु अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या, हं! हमारे तो बाप का भारत है।' पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिस्सी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है।



## पाकिस्तान तो फेल रहा, भारत कर दिखाएगा

## राजनाथ सिंह ने दिए ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी से तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई दिनों तक हुए हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन अभी तक शांति स्थापित नहीं हो सकी है। दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान ने इस मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सका है। इस सबके बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल ऐसा समय भी आ सकता है जब भारत अपनी भूमिका निभाए और इसमें सफलता भी हासिल करे। राजनाथ सिंह के इस बयान के बाद से भारत के द्वारा मध्यस्थता की अटकलें तेज हो गई हैं। ईरान और अमेरिका के रिश्तों पर राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफलता भी हासिल करे।



हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पक्षों से युद्ध समाप्त करने की अपील की है। कूटनीतिक मामलों में हमारे प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण बहुत संतुलित है।

## स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी राजनाथ ने रखी बात

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान कोई दूर की घटना नहीं बल्कि यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीकी परिवर्तन ने स्थिति को बेहद जटिल एवं परस्पर संबन्धित बना दिया है। बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने की तत्परता के साथ एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में 50 दिनों से अधिक समय से संघर्ष जारी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

## ईवीएम पर गोंद, परफ्यूम लगाने वालों को छोड़ेंगे नहीं

## बंगाल-तमिलनाडु चुनाव से पहले चुनाव आयोग की चेतावनी, वोटिंग आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम के बटन पर इत्र, गोंद या किसी भी तरह का पदार्थ लगाना छेड़छाड़ माना जाएगा और यह चुनावी अपराध है। हाल के दिनों में यह दावा सामने आया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह पता लगाने के लिए ऐसा करते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। मंगलवार को अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर ऐसी कोई हस्तक सामने आती है, तो वहां के पीठासीन अधिकारी को तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। यह निर्देश तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कल 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिए गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सख्त कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर दोबारा मतदान (री-पोल) का आदेश भी दिया जा सकता है।



## बटन पर कुछ भी लगाना सख्त मना

अधिकारियों ने सभी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि ईवीएम के सभी उम्मीदवारों के बटन साफ और स्पष्ट दिखाई दें। किसी भी बटन पर टैप, गोंद या अन्य कोई चीज नहीं लगी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि बैलेट यूनिट के बटन पर किसी भी तरह का रंग, स्याही, इत्र या रसायन नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि इससे वोट की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। अगर इस तरह की कोई हड़बडी पाई जाती है, तो पीठासीन अधिकारी तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दें।

## पहलगाम हमले के एक साल, दुनिया भर से निंदा

## ● यूरोप के 27 देश और ईयू आर भारत के साथ, बोले-भूलेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को भीषण आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान से आए आतंकीयों ने चुन-चुन कर उन लोगों को मार डाला था, जो हिंदू थे।



उनका धर्म और नाम पूछकर यह कत्लेआम किया गया था। आज इस घटना को एक साल हो गए हैं और दुनिया भर में इसकी निंदा की जा रही है। इस बीच यूरोपियन यूनियन और उसके 27 सदस्य देशों ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। बुधवार को यूरोपियन यूनियन की ओर से एक पोस्ट किया गया।

## तीन राज्यों में कितनी सीट पाएगी कांग्रेस, शाह ने बताया!

## ● गृहमंत्री की बड़ी भविष्यवाणी, एक में तो जीरो का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। बंगाल की सत्ता पर काबिज होने का दावा करने वाली भाजपा के नेता ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहती हूँ कि कांग्रेस यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। दमदम में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बता दूँ कि बंगाल में



कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सकेगा। इसके अलावा उन्होंने दो और राज्यों तमिलनाडु और पुदुचेरी को लेकर भी कांग्रेस के बारे में भविष्यवाणी की। अमित शाह ने कहा कि पुदुचेरी और तमिलनाडु में कांग्रेस का आंकड़ा दहाई तक नहीं पहुंचेगा

यानी वह 10 या उससे ज्यादा सीटें नहीं हासिल कर सकेगी। बंगाल के दमदम में अमित शाह ने वोटर्स से देश के नाम वोट करने करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना वोट घुसपैठिया मुक्त बंगाल के लिए करें।

## राज्यपाल से विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी मिले

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से बुधवार को लोकभवन में भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य



भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का पौधा, शॉल, श्रीफल और स्मृति चित्र भेंट कर अभिनंदन किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री पटेल को आर.सी. व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के संचालक श्री मुजीबुर्रहमान ने प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।

## सैंधवा में ट्रेलर से टकराया ट्रक, दो की मौत

### ● बिजासन घाट पर दोनों ड्राइवर को केबिन काटकर निकाला; एक घंटे चला रेस्क्यू

सैंधवा (नप्र)। सैंधवा के पास मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर एक ट्रक आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराया। दोपहर करीब 2 बजे बिजासन घाट के 'ब्लैक स्पॉट' डबल पुलिया के बीच हुए इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ट्रकर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और दोनों चालक केबिन में फंस गए। उन्हें निकालने के लिए तत्काल क्रेन बुलाई गई। करीब एक घंटे की मशकत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया।

## मां से दोस्ती में आड़े आ रहा था शिवराज

### ● आरोपी ने गला रेतकर नीले ड्रम में भरा ससुराल से हुआ गिरफ्तार

सतना (नप्र)। मध्यप्रदेश में सतना जिले की बैंक कॉलोनी में 11 वर्षीय मासूम शिवराज उर्फ बादल की नृशंस हत्या की गुथी कोलगाव पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा ली है। कल्ल के बाद लाश को नीले ड्रम में छिपाकर फरार हुए आरोपी मथुरा प्रसाद को पुलिस ने उसके ससुराल (अमिलिया-कोल्हाआडीह) से घेरावदी कर गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने चौकाने वाले खुलासे किए हैं।



प्रेस की दुकान चलाता है आरोपी - पुलिस कस्टडी में आरोपी मथुरा प्रसाद ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वह बैंक कॉलोनी में प्रेस की दुकान चलाता था। इसी दौरान उसकी मृतक की मां आशा रजक से जान-पहचान हो गई। मथुरा का अक्सर घर आना-जाना था। मासूम शिवराज और उसकी बड़ी बहन सेजल को वह खटकता था। दोनों बच्चे इसका विरोध करते थे और नासिक में रहने वाले अपने पिता रमेश रजक को इसकी शिकायत कर देते थे। इसी बात को लेकर पिता रमेश और आरोपी मथुरा के बीच पहले भी तीखा विवाद हुआ था।

लोह की सरिया से मासूम का रेटा गला - सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी सी रंजश को मन में पाले हुए आशा के घर पहुंचा। घर में मासूम शिवराज अकेला था। आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि वह अपनी मां से मिलने-जुलने-किसी भी शिकायत पिता से न करे। लेकिन निडर बालक ने उसे फटकार लगाई और घर से दूर रहने की सख्त हिदायत दी। बस यही बात आरोपी को नागवार गुजरी। गुस्से में अंधे होकर मथुरा ने पहले बालक का गला दबाया और फिर पास ही रखी लोहे की हंसिया से उसका गला रेत दिया।

बड़ी बहन भी थी आरोपी के टारगेट पर - सतना पुलिस की पूछताछ में एक और चौकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी केवल शिवराज ही नहीं, बल्कि उसकी बड़ी बहन सेजल को भी जान से मारने की नीयत से आया था, क्योंकि वह भी मथुरा के दखल का विरोध करती थी। गनीमत रही कि वारदात के समय सेजल घर पर मौजूद नहीं थी।

## छात्रा ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

### ● परिजन बोले-रिजल्ट बिगड़ने से दुखी थी, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हबीबगंज इलाके में रहने वाली छात्रा ने मंगलवार रात घर में फांसी लगा ली। परिजनों ने फंदे से उतारकर उसे अस्पताल पहुंचाया था। जहां इलाज के दौरान बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। पुलिस को दिए बयानों में परिजनों ने रिजल्ट बिगड़ने से दुखी होकर सुसाइड करने की बात कही है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार दोपहर पीएम के बाद बाँड़ी परिजनों को सौंप दी गई है। पुलिस के मुताबिक मोनिका रायकवार पुत्री रामकृष्ण रायकवार (17) 6 नंबर स्टीप शिवाजी नगर में रहती थी। पिता सरकारी नौकरी करते हैं, जबकि मां प्राइवेट जॉब करती हैं।

काम पर गए थे माता-पिता - माता और पिता मंगलवार को अपने-अपने काम पर गए थे। उनके घर लौटने से पहले बेटी ने घर में फांसी लगा ली थी। मां-पिता ने घर पहुंचते ही बेटी को फंदे पर देखा, हालांकि उसके जिस्म में सांसें थीं। तत्काल फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान मोनिका की मौत हो गई।

सुसाइड नोट नहीं मिला - पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच अधिकारी एसएसआई यशवंत सिंह ने बताया कि परिजनों ने बयानों में बताया कि दसवीं कक्षा में रिजल्ट बिगड़ने से मोनिका दुखी थी। इसी से डिप्रेशन में आकर उसने सुसाइड किया है। हालांकि पुलिस प्रेम प्रसंग के एंगल पर भी जांच कर रही है।

## राजधाम

# सर्व के सहयोग से ही संभव है पृथ्वी की सुरक्षा

## ● पृथ्वी को बचाने का रास्ता भीतर से गुजरता है, ब्रह्माकुमारीज का अनोखा संदेश ● पवित्र विचार, सुंदर संसार - पृथ्वी दिवस पर संकल्प और सृजन का संगम

भोपाल । पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज के विभिन्न सेवा केंद्रों-सुख शांति भवन, इंदगाह हिल्स, पंचवटी सेंटर, जवाहर चौक केंद्र, एक्जेटिका सेवाकेंद्र समेत अन्य कई सेवाकेंद्रों-पर प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, बल्कि आंतरिक शुद्धता और सकारात्मक सोच के माध्यम से पृथ्वी को पवित्र बनाने का संकल्प भी दिलाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आर्किटेक्ट बिके दुर्गा जी ने चिंतन साझा करते हुए कहा कि पिछले लगभग 50-55 वर्षों से यह दिवस निरंतर मनाया जा रहा है, फिर भी पृथ्वी की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। इसका मुख्य कारण बाहरी संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि मन का प्रदूषण है। जब मनुष्य अपने ही विचारों, इच्छाओं, समस्याओं और उलझनों में फंसा रहता है, तब वह सही ज्ञान और सही विधियों को जानते हुए भी जीवन में लागू नहीं कर पाता। इसका आध्यात्मिक समाधान बताते हुए उन्होंने बताया कि जब तक मन शुद्ध,

शांत और संतुलित नहीं होगा, तब तक बाहरी प्रयास भी सीमित परिणाम ही देंगे। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने अंदर के विचारों को सकारात्मक, पवित्र और शक्तिशाली बनाएं-तभी प्रकृति में भी वास्तविक परिवर्तन संभव है।



वहीं, वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आराधना दीदी ने आध्यात्मिक दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि पृथ्वी केवल भौतिक संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि हमारी चेतना का प्रतिबिंब है। जब मनुष्य के विचार शुद्ध और सकारात्मक होते हैं, तब प्रकृति भी संतुलित और सहयोगी बनती है। उन्होंने आगे कहा कि राजयोग ध्यान के माध्यम से हम

परमशक्ति से जुड़कर पवित्र शुद्ध प्रक्रियाओं का संचार करते हैं, जो न केवल हमारे जीवन बल्कि पूरे विश्व को सकारात्मक दिशा देते हैं। उन्होंने सभी को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया। बिके हेमा बहन ने अपने संबोधन में

निहा सकते हैं इसके पश्चात बिके साक्षी बहन द्वारा सभी को सामूहिक राजयोग ध्यान कराया गया, जिसमें उपस्थित भाई-बहनों को आंतरिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का अभ्यास कराया गया। इस दौरान पवित्र शुद्ध प्रक्रिया के अंतर्गत सभी ने यह अनुभव किया कि शुद्ध और सकारात्मक विचारों से निकलने वाले दिव्य प्रकंपन पूरे वातावरण को ऊर्जावान और पवित्र बना सकते हैं। सभी ने अपने विचारों, शब्दों और कर्मों को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके। इस अवसर पर एक विशेष रचनात्मक गतिविधि भी बिके पुनम बहन द्वारा आयोजित की गई, जिसमें बच्चों एवं उपस्थित सभी भाई-बहनों ने हम कैसी पृथ्वी देखा चाहते हैं विषय पर सुंदर-सुंदर पेंटिंग्स बनाईं। इन पेंटिंग्स में स्वच्छ, हरित, प्रदूषण-मुक्त और शांतिपूर्ण पृथ्वी की झलक दिखाई दी। सभी ने यह संकल्प लिया कि वे इन चित्रों को अपने घरों में लगाकर प्रतिदिन उसी श्रेष्ठ संकल्प को स्मृति में रखेंगे और अपने विचारों व कर्मों के माध्यम से ऐसी ही सुंदर पृथ्वी के निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे।

# खरगोन से इंदौर जा रही लगजरी बस अचानक घर की तरफ मुड़ गई

## दीवार में जा घुसी, 30 से अधिक घायल



खरगोन (नप्र)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के कसरावद थाना क्षेत्र में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। खरगोन से इंदौर जा रही एक निजी यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और सड़क किनारे स्थित एक मकान से जा टकराई। इस दुर्घटना में बस में सवार करीब 30 यात्रियों को चोट आई है, जिनमें से 10 से अधिक की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसडीओपी श्वेता शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसा कसरावद तहसील के ग्राम ओझरा में दोपहर के समय हुआ। बस में करीब 30 से अधिक यात्री सवार थे। ट्रकर इतनी तेज थी कि बस के आगे का हिस्सा

क्षतिग्रस्त हो गया और अंदर बैठे यात्री इधर-उधर गिर पड़े। हादसे में चालक और परिचालक भी घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाहर निकाले - सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। सभी घायलों को तत्काल कसरावद के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद करीब 25 घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। श्वेता शुक्ला, एसडीओपी बस हादसा कसरावद तहसील के ओझरा में हुआ, बस

## अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और जोरदार टक्कर हो गई

इसी बस में सवार इंजीनियरिंग कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र श्वितिज गुप्ता ने बताया कि वह इंदौर परीक्षा देने जा रहे थे। अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और जोरदार टक्कर हुई, जिससे वह उछलकर बस की छत से जा टकराए। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बस की रफ्तार सामान्य से कुछ अधिक थी।

## ओवरलोडिंग से पुलिस का इंकार

हालांकि एसडीओपी शुक्ला ने ओवरलोडिंग की आशंका से इनकार किया है। उनका कहना है कि बस ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से संचालित होती है और उसमें सीटों के अनुरूप ही यात्री सवार हैं। फ्लिहल पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सड़क से उतरकर एक मकान की दीवार से टकरा गई। बस में करीब 30 से अधिक यात्री सवार थे। बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया सभी यात्री सहित चालक-परिचालक भी घायल हैं।

## कान्हा में भूख ने ली बाघ शावक की जान, शव के पास बैठी रही मां, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मंडला (नप्र)। प्रदेश के प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां सरही वन क्षेत्र में एक बाघ के नर शावक का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। यह घटना 21 अप्रैल 2026 को बड़े अमाही नाला के पास बीट सरहीनकान में सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया गया और डॉग स्कॉड की मदद से बारीकी से जांच की गई, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया जा सके।

मां और अन्य शावक शव के पास ही रहे मौजूद - जांच के दौरान एक भावुक कर देने वाला दृश्य भी सामने आया, जहां मृत शावक के पास ही उसकी मां और बाकी शावक मौजूद रहे। इससे यह स्पष्ट होता है कि घटना हाल ही में हुई थी और पूरा परिवार आपस में ही था। डॉक्टरों की टीम ने किया पोस्टमार्टम - मामले की गंभीरता को



देखते हुए जबलपुर, मोतीनाला और बिछिया से पशु चिकित्सकों की टीम बुलाई गई। विशेषज्ञों द्वारा मौके पर ही शावक का पोस्टमार्टम किया गया। शुरुआती जांच में शावक के सभी आंतरिक अंग सुरक्षित पाए गए, जिससे किसी बाहरी हमले की आशंका कम मानी जा रही है। डिप्टी डायरेक्टर, अमिता केबी, कान्हा टाइगर रिजर्व ने कहा शावक पिछले कुछ दिनों से कमजोर था। पोस्टमार्टम में पेट खाली पाया गया है, जो संकेत देता है कि उसने कई दिनों से कुछ नहीं खाया था। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सटीक वजह स्पष्ट हो पाएगी।

भूख या बीमारी से मौत की संभावना- डिप्टी डायरेक्टर अमिता केबी के अनुसार, यह शावक पिछले कुछ दिनों से कमजोर नजर आ रहा था और दो दिनों से उसकी तलाश भी की जा रही थी। पोस्टमार्टम में यह भी सामने आया कि शावक का पेट खाली था, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि उसने कई दिनों से भोजन नहीं किया था। ऐसे में उसकी मौत भूख या किसी बीमारी के कारण होने की संभावना जताई जा रही है।

# कौशल और सामाजिक उद्यमिता से होगा भारत विकसित : राज्यपाल पटेल

## राज्यपाल ने पांचवें 'समर्थ भारत कॉन्वलेव' का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि कौशल आधारित सामाजिक उद्यमिता विकसित भारत का पथ है। इस दिशा में वैचारिक पर चिंतन की पहल समसामयिक और सराहनीय है। कॉन्वलेव, शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को समाप्त के लिए समाधान का वैचारिक मंच बने। उन्होंने कहा कि कौशल और सामाजिक उद्यमिता से विकसित भारत निर्माण के चिंतन में सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे स्वच्छता, शिक्षा, जल संरक्षण, लैंगिक समानता, प्राथमिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के समाधान खोजने का प्रयास किया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पांचवें समर्थ भारत कॉन्वलेव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कॉन्वलेव का आयोजन विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास और सामाजिक उद्यमिता विषय पर किया गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कॉन्वलेव से पहले कौशल रथ को इरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि कॉन्वलेव में कौशल विकास की प्रासंगिकता, शिक्षा-उद्योग



समन्वय, सामाजिक उद्यमिता विस्तार, ग्रामीण युवाओं के सशक्तिकरण, स्टार्ट-अप इको सिस्टम की मजबूती, महिला और वंचित वर्गों की सहभागिता का पथ प्रदर्शन पर बल दिया जाएगा। डिजिटल एवं तकनीकी कौशल, नीतिगत सहाय्य और सतत विकास के संतुलित मांडल पर विचार जरूरी है, ताकि आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता के ठोस उपाय खोजें जाएँ। उन्होंने कहा समय की आवश्यकता है कि सरकारी, कॉर्पोरेट क्षेत्र एवं गैर-लाभकारी संगठन के समन्वित और एकजुट प्रयासों को

नवाचारी सोच और सतत विकास के लिए, उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रतिभागियों से कौशल आधारित सामाजिक उद्यमिता के द्वारा समाज की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील और व्यवहारिक नवाचारों पर चिंतन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त और विकसित भारत की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। रिकवरी इंडिया मिशन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया,

मेक इन इंडिया आदि योजनाओं से देश में सशक्त स्टार्ट-अप इको सिस्टम बना है। उन्होंने कहा कि जरूरी है कि हम समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने नए और उपयोगी लोगों के जीवन में वास्तविक सुधार एवं खुशहाली आए। युवाओं को समावेशी विकास का सहभागी बनाएँ - राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारी लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। युवाओं को जमीनी स्तर से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर, नई और रचनात्मक पहल के द्वारा आर्थिक परिवर्तन का माध्यम तथा समावेशी विकास का सहभागी बनाना होगा। डिजिटल एवं तकनीकी कौशल, नीतिगत सहयोग और सतत विकास के संतुलित मांडल और आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता के ठोस उपायों से परिचय करना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए कौशलयुक्त मानव संसाधन और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली सोच समय की मांग है। शिक्षण संस्थाओं

कार्यक्रम के अंत में बिके डॉ. प्रियंका द्वारा सभी उपस्थित जनों ने ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाओं के अनुरूप पृथ्वी संरक्षण हेतु निम्न संकल्प लिए — ● मैं अपने विचारों को शुद्ध रखकर वातावरण में सकारात्मक प्रकंपन फैलाऊँगा/फैलाऊँगी। ● मैं जल, वायु, भूमि जैसे प्राकृतिक तत्वों का सम्मान करते हुए उनका दुरुपयोग नहीं करूँगा/करूँगी। ● मैं प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग कर स्वच्छता और हरित जीवनशैली अपनाऊँगा/अपनाऊँगी। ● मैं प्रतिवर्ष कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाऊँगा/लगाऊँगी और उसकी देखभाल करूँगा/करूँगी। ● मैं ऊर्जा की बचत कर प्रकृति के संसाधनों का संतुलित उपयोग करूँगा/करूँगी। ● मैं क्रोध, नकारात्मकता और अशुद्ध विचारों से मुक्त रहकर शांति, प्रेम और सहयोग के संस्कार अपनाऊँगा/अपनाऊँगी।

## जल गंगा संवर्धन अभियान

## वर्षा जल संरक्षण में प्रदेश का जनजातीय

## जिला डिंडोरी देश में प्रथम स्थान पर

### ● जिलों की सूची में खंडवा देश में दूसरे स्थान पर



भोपाल (नप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश ने केंद्र सरकार के जल संचय जन भागीदारी अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 22 अप्रैल को जारी रैंकिंग में प्रदेश का डिंडोरी जिला देश में पहले और खंडवा जिला दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्षा जल संरक्षण के आह्वान के अनुरूप प्रदेश सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन करना और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना है। अभियान के तहत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर, बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट और रूफटॉप वर्षा जल संचयन जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही जलाशयों और गड्डों का पुनरुद्धार भी किया जा रहा है। प्रधानमंत्री का संदेश: जहां गिरे, जब गिरे, वर्षा जल का संग्रह करें - जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जल संचय, जनभागीदारी अभियान संचालित किया जा रहा है। यह पहल जल शक्ति अभियान: कैच द रेन के अंतर्गत 6 सितंबर 2024 से प्रारंभ की गई है। यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जल प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है।

## डिंडोरी में 1.23 लाख से अधिक जल संरचनाएं

जल संचय जनभागीदारी अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। 22 अप्रैल की रैंकिंग में डिंडोरी जिले में देश में सर्वाधिक 1 लाख 23 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 87 हजार से अधिक संरचनाएं निर्मित की गई हैं।

## प्रदेश में 3.97 लाख से अधिक जल संरचनाएं निर्मित

प्रदेश में अब तक 3 लाख 97 हजार से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। वर्षा जल संरक्षण के इस कार्य में मध्यप्रदेश का उल्लेखनीय योगदान है।

की जिम्मेदारी है कि शिक्षा व्यवस्था तकनीकी, प्रबंधकीय और उद्यमशील क्षमतावान ऐसे युवा तैयार करें, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सफल हो सकें।

राज्यपाल श्री पटेल ने दीप प्रज्वलित कर 2 दिवसीय आयोजन का शुभारंभ किया। वॉकेशनल ट्रेनर्स को सम्मानित किया। उनका आईसेक्ट के चान्सलर श्री संतोष चौबे ने पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। स्मृति चित्र भेंट कर अभिनंदन किया। स्वागत उद्बोधन, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के चान्सलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने दिया। आईसेक्ट के चान्सलर श्री संतोष चौबे ने संस्थान की स्थापना से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए कौशल और सामाजिक उद्यमिता प्रयासों की विस्तार से चर्चा की। आभार स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. विजय सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर रविन्द्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के वी.सी. डॉ. आर.पी. दुबे, वाधवानी फाउंडेशन के कर्नल संतोष, प्रो. चान्सलर डॉ. अजित चतुर्वेदी और विषय-विशेषज्ञ उपस्थित थे।

## संपादकीय

## भारत-रूस सैन्य समझौता

पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका-इजराइल के बीच जारी संघर्ष के दौरान ही भारत और रूस के बीच 'रेलोस' (इंडो रूस रिसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट) का लागू होना जहां भारत के लिए सुखद खबर है, वहीं पड़ोसी पाकिस्तान को इस पर जम्कर मिच्री लगी है। इसे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रक्षा समझौता माना जा रहा है। इसके तहत संघर्ष की स्थितियों में दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में सेना, युद्धपोत और विमान तैनात कर सकेंगे। गौरतलब है कि रूस और भारत दशकों पुराने सहयोगी रहे हैं। समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब रूस के साथ भारत अपने रिश्ते को और बेहतर करने की कोशिश कर रहा है। भारत-रूस रेलोस समझौता बीते साल मॉस्को में साइन किया गया था। इसके अंतर्गत दोनों देशों को शुरुआती पांच सालों के लिए एक-दूसरे के इलाके में एक साथ 3 हजार तक सैनिक, पांच युद्धपोत और 10 मिलिट्री विमान तैनात करने की अनुमति रहेगी और इसे आपसी सहमति से अपने आप आगे बढ़ाया जा सकता है। समझौते के मुताबिक भारत अब रूस के मुर्यास्क और सेवेरोमोस्क में स्थित विशाल बंदरगाहों का उपयोग कर सकेगा। वह हिंद महासागर में भारतीय नौसेना से लॉजिस्टिक्स सहयोग की उम्मीद कर रहा है। यह समझौता रूस को ईंधन भरने, मरम्मत, कलपुर्ण और अन्य सहायता प्रदान करेगा। साथ ही यह समझौता युद्ध और शांति दोनों ही समय में लागू रहेगा, दोनों देशों को लंबी दूरी के अभियानों में पैसे और समय की बचत करने में मदद करेगा। भारत को रूसी नौसैनिक और हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आर्कटिक क्षेत्र भी शामिल है, और रूस को भारतीय सुविधाओं तक व्यापक पहुंच की अनुमति देता है। इस समझौते की पहल आठ साल से हो रही थी। लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें देरी होती गई। अब यह समझौता जनवरी 2026 से लागू हो चुका है, हालांकि लोगों को इसकी जानकारी अब हुई है।

भारत-रूस पारस्परिक लॉजिस्टिक्स विनिमय समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। इस समझौते का पश्चिम एशिया संघर्ष और यूक्रेन युद्ध के बीच गहरा महत्व है, न केवल सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स (साजो-सामान) का प्रबंधन भी करता है। साथ ही यह समझौता विशेष रूप से सैन्य टुकड़ियों की तैनाती को कवर करता है, जिससे संयुक्त प्रशिक्षण, आपदा रहित और संयुक्त अभियानों की अनुमति मिलेगी है। भारत की सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और संघर्ष की आशंकाओं के बीच यह समझौता बहुत कुछ मायने रखता है। यह अमेरिका और चीन के लिए भी चेतावनी है। इस समझौते से हमारा पड़ोसी पाकिस्तान खासा परेशान है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट डॉ. अतिया अली कायमी ने रूस-भारत समझौते पर खोज निकालते हुए कहा है कि मॉस्को गलती कर रहा है। अतिया का कहना है कि अमेरिका ने भारत पर दांव लगाया और उसके संबंध बेहतर किए लेकिन आज वह अपना रख बदल रहा है। अब शायद रूस को भारत के बारे में धोखा हो गया है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट का कहना है कि इस क्षेत्र में आने वाली शक्ति चक्र बनेगा ना कि भारत या अन्य कोई देश ताकतवर होगा। इस समझौते को अतिया कायमी ने एशिया की रणनीतिक हेंजिंग ( जोखिम सुरक्षा उपाय) कहा है। वैसे पाकिस्तान क्या सोचता है, यह भारत की चिंता का विषय नहीं है। हमें अपने सुरक्षा हितों की तरफ ध्यान देना होगा। भारत ने अमेरिका से पीगे बढ़ाकर देख लिया। लेकिन वहां अगर डोनाल्ड ट्रंप जैसा अस्थिर दिमाग का और बड़बोला राष्ट्रपति होगा तो अमेरिका पर स्ली भर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। जबकि रूस आज भी हमारा सबसे भरोसेमंद साथी है। यह समझौता भी इसी की पुष्टि है।

## डिजिटल चमक में धुंधलाते शब्द: पुस्तकों का मौन संकट

## विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर विशेष

## श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।



जानकी अचल धारा और मानवीय मेधा के संचित कोष का यदि कोई सजीव प्रतीक है तो वह हैं पुस्तकें। अनादि काल से मनुष्य ने अपने अनुभवों, संवेदनाओं, शोध और कल्पनाओं को शब्दों की वणमाला में पिरोकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विरासत के रूप में सहेजकर रखा है। हालांकि आज के समय में यह प्रश्न बेहद गंभीर और चिंताजनक है कि आज के डिजिटल कोलाहल में क्या हम अपनी इस अनमोल विरासत से दूर होते जा रहे हैं? प्रत्येक वर्ष 23 अप्रैल को मानया जाने वाला 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' उस सभ्यता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का क्षण है, जिसने हमें सोचने, समझने और संवाद करने की शक्ति प्रदान की। यूनेस्को द्वारा 1995 में इस दिवस की आधारशिला रखी गई थी, जिसका मूल ध्येय पुस्तकों के प्रति जनमानस में एक नवीन चेतना का संचार करना, लेखकों की बौद्धिक संपदा का सम्मान करना और मुद्रित शब्दों के जादू को अक्षुण्ण बनाए रखना था किंतु वर्तमान परिदृश्य में जब हमसामाजिक ढांचे का अवलोकन करते हैं तो पाते हैं कि पुस्तकों और पाठकों के मध्य एक अदृश्य परंतु गहरी खाई निर्मित होती जा रही है। यह विडंबना ही है कि जिस युग में सूचनाओं का अंबार लगा है, वहां ज्ञान का वास्तविक आधार 'पुस्तकें' धूल फांक रही हैं। आधुनिकता की अंधी दौड़ और तकनीक के अतिशय हस्तक्षेप ने हमारे जीवन की लय को पूरी तरह से परिवर्तित कर दिया है। आज का मनुष्य सूचनाओं के लोरीत उपभोग का अभ्यस्त हो चुका है। स्मार्टफोन की नीली स्क्रीन और कंप्यूटर की स्क्रीन ने हमारी आंखों को तो व्यस्त रखा है किंतु मस्तिष्क की उर्वरता और कल्पनाशीलता को संकुचित कर दिया है। इंटरनेट से प्राप्त होने वाली जानकारीयां अक्सर खंडित और सतही होती हैं, जिन्हें हमारा मस्तिष्क एक मूकदर्शक की भांति केवल ग्रहण करता है। इसके विपरीत,

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा शिखरिणीयांक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जेन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित है।

प्रधान संपादक उमेश त्रिवेदी  
कार्यकारी प्रधान संपादक अजय बोक्लि  
संपादक (मध्यप्रदेश) विनोद तिवारी  
वरिष्ठ संपादक पंकज शुक्ला  
प्रबंध संपादक अरुण पटेल  
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)  
RNI No. MP/HIN/ 2003/ 10923,  
Ph. No. 0755-2422692, 4059111  
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।



## नजरिया

## अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पुनाबी साल में उत्तर प्रदेश की सियासत में रणनीतिक हलचल तेज होती जा रही हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की घड़ौ सिर पर आ रही है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी सरकार की ताकत को मजबूत करने के लिए कैबिनेट विस्तार की तैयारी में जुटे हैं। खास बात यह है कि इस विस्तार का केंद्र बिंदु महिला वोटों को खुश करना हो सकता है। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के बाद भाजपा ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे विरोधी दलों पर महिला विरोधी होने का ऐसा तंज कसा है कि पूरा माहौल बन गया है। इसी माहौल का फायदा उठाते हुए योगी सरकार कैबिनेट में महिला मंत्रियों की संख्या बढ़ाकर मतदाताओं का दिल जीतने की कोशिश कर सकती है। न केवल महिलाएं, बल्कि ब्राह्मण, पिछड़ी जाति और दलित वोटों को भी रिझाने के लिए इन वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व देकर सियासी समीकरण साधे जा सकते हैं। यह कदम चुनावी साल में सत्ताधारी दल की चतुराई का नमूना पेश करेगा।

राज्य की राजनीति हमेशा से जाति, धर्म और लिंग आधारित समीकरणों पर टिकी रही है। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर जोर दिया, लेकिन अब चुनावी दबाव में सामाजिक समावेश को प्राथमिकता मिल रही है। वर्तमान कैबिनेट में महिलाओं की संख्या सीमित है। बेबी रानी माहौर और स्वाति सिंह जैसी कुल नेता हैं, लेकिन कुल मिलाकर प्रतिनिधित्व कमजोर पड़ता है। अगर कैबिनेट का विस्तार होता है, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से आगरा की भाजपा सांसद डॉ. प्रोमिला कटियार या गोरखपुर की रवीना कुरेल जैसी सक्रिय महिला नेताओं को जगह मिल सकती है। पश्चिमी इलाके से मेरठ की राजकुमारी दीया या सहारनपुर की उषा सिद्धू भी दावेदार हो सकती हैं। इनमें से कई विधायक या सांसद हैं, जो जमीनी मुद्दों पर मुखर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा ने जो प्रचार किया, उसके जवाब में यह कदम महिलाओं को संदेश देगा कि हमारी सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

## योगी कैबिनेट में बड़ेगी आधी आबादी की हिस्सेदारी?

राज्य की राजनीति हमेशा से जाति, धर्म और लिंग आधारित समीकरणों पर टिकी रही है। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर जोर दिया, लेकिन अब चुनावी दबाव में सामाजिक समावेश को प्राथमिकता मिल रही है। वर्तमान कैबिनेट में महिलाओं की संख्या सीमित है। बेबी रानी माहौर और स्वाति सिंह जैसी कुल नेता हैं, लेकिन कुल मिलाकर प्रतिनिधित्व कमजोर पड़ता है। अगर कैबिनेट का विस्तार होता है, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से आगरा की भाजपा सांसद डॉ. प्रोमिला कटियार या गोरखपुर की रवीना कुरेल जैसी सक्रिय महिला नेताओं को जगह मिल सकती है। पश्चिमी इलाके से मेरठ की राजकुमारी दीया या सहारनपुर की उषा सिद्धू भी दावेदार हो सकती हैं। इनमें से कई विधायक या सांसद हैं, जो जमीनी मुद्दों पर मुखर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा ने जो प्रचार किया, उसके जवाब में यह कदम महिलाओं को संदेश देगा कि हमारी सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने महिला आरक्षण बिल को लेकर जो शोर मचाया, वह अब विधानसभा स्तर पर फल दे सकता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर लगाए गए महिला विरोधी ठप्पे ने विपक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। योगी सरकार इसी मौके को भुनाने के लिए कैबिनेट में कम से कम चार-पांच नई महिला मंत्रियों को शामिल कर सकती है। इससे ग्रामीण महिलाओं से लेकर शहरी मतदाताओं तक संदेश जाएगा कि भाजपा महिलाओं के हितों की रक्षा करेगी। उदाहरण के तौर पर, बुनकर बाहुल्य इलाकों से पिछड़ी जाति की महिलाओं को जगह देकर दोहरी रणनीति अपनाई जा सकती है। अवध क्षेत्र की लक्ष्मी चौधरी या बुंदेलखंड की सुनीता सिद्धू जैसी नेता इस फॉर्मूले में फिट बैठती हैं। कैबिनेट विस्तार से न केवल संख्या बढ़ेगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और जातियों का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित होगा। यह चुनावी लाभ के साथ-साथ सामाजिक संतुलन भी लाएगा।

लेकिन महिला वोटों को खुश करने की रणनीति केवल संख्या पर टिकी नहीं रहेगी। इन महिला मंत्रियों को महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जाएंगे, जैसे महिला कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा या ग्रामीण विकास। इससे साबित होगा कि यह प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। योगी सरकार पहले ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुहलक्ष्मी योजना और पिंग बस जैसी योजनाओं से महिलाओं का विश्वास जीत चुकी है। कैबिनेट विस्तार इन प्रयासों को मजबूती देगा। विपक्षी समाजवादी पार्टी पर पिता-मजूर की सियासत का आरोप लगाकर भाजपा महिलाओं को भवनात्मक रूप से जोड़ रही है। अखिलेश यादव सरकार के समय महिलाओं के प्रति उदासीनता के उदाहरणों को बार-बार उछाला जा रहा है। ऐसे में योगी का यह दांव विपक्ष को कष्टघरे में

ला खड़ी करेगा। अब बाढ़ ब्राह्मण, पिछड़ी जाति और दलित वोटों की। उत्तर प्रदेश में ये वर्ग भाजपा की कोर वोट बैंक हैं, लेकिन हालिया लोकसभा परिणामों ने सतर्क कर दिया है। ब्राह्मण समाज में अस्तोषता की खबरें आ रही हैं। वर्तमान कैबिनेट में ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व कम है। कैबिनेट विस्तार में प्रयागराज के नंद गोपाल गुप्त नंदी या कानपुर के सत्यदेव पचौरी जैसे वरिष्ठ ब्राह्मण नेताओं को जगह देकर इस गैप को भरा जा सकता है। ये नेता पार्टी के पुराने सिपाही हैं और जमीनी पकड़ रखते हैं। ब्राह्मण वोटों को यह संदेश जाएगा कि उनकी उपेक्षा नहीं हो रही। इसी तरह पिछड़ी जाति के लिए निषाद, कुशवाहा और मौर्य समुदायों से प्रतिनिधि चुने जा सकते हैं। आजमगढ़ के शाह आलम या बहराइच के अनिल राजभर जैसे नाम चर्चा में हैं। ये वर्ग भाजपा के लिए गढ़ों में निर्णायक साबित होते हैं।

दलित वोटों की रिझाने की चुनौती सबसे बड़ी है। बसपा की कमजोरी का फायदा उठाते हुए भाजपा ने पहले ही कई दलित नेताओं को तरजोह दी है। लेकिन कैबिनेट में आनंद स्वरूप शर्मा या बाबू सिंह कुशवाहा जैसे चेहरे जोड़कर बैंक को मजबूत किया जा सकता है। जालौन या झारसी जैसे दलित बाहुल्य क्षेत्रों से महिला दलित नेता को शामिल करना दोहरा लाभ देगा। योगी आदित्यनाथ की हिंदुत्व नीति ने इन वर्गों को एकजुट किया है, लेकिन स्थानीय स्तर पर जातिगत आकांक्षाएं भड़क रही हैं। कैबिनेट विस्तार इन्हें शांत करने का हथियार बनेगा। कुल मिलाकर 18 से 24 सदस्यों का विस्तार हो सकता है, जिसमें आठ-दस पर चेहरे महिलाओं, ब्राह्मणों, पिछड़ों और दलितों से होंगे। यह रणनीति चुनावी साल की दौरी का फायदा उठाएगी। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले

## अर्थनीति, कूटनीति और छवि का पुनर्पाठ

## अस्थिर विश्व में भारत

## अरुण कुमार उनायक

लेखक समाजसेवी हैं।



प्रभाव अर्जित नहीं कर सका।

पिछले एक दशक में जब-जब विश्व में संघर्ष और अशांति बढ़ी, प्रधानमंत्री द्वारा 'यह युद्ध का युग नहीं है' की घोषणा तो बार-बार कही गई, किंतु उसके अरुणू कोई ठोस शांति-योजना सामने नहीं आई। संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाकर भारत ने तटस्थता का संकेत देने का प्रयास किया, परंतु अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के एक हिस्से ने इसे निष्पक्षता के बजाय अनिर्णय के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, जहाँ नेहरू युग में भारत कोरियाई और वियतनामी संकटों में मध्यस्थता के लिए जाना जाता था, वहीं आज उसकी वह हेतुर्जु जलडमरूमध्य से तेल टैंकरो की आवाजही सुनिश्चित करने में आंशिक सफलता मिली, जिससे ऊर्जा संकट को काफी हद तक शांत करा सका, फिर भी महंगाई, बेरोजगारी और शेर बाजार में आई तीव्र गिरावट ने आम नागरिकों को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, जिसकी भरपाई में समय लगेगा। इसी कालखंड में कुछ वैश्विक घटनाएँ भारत के लिए मिश्रित संकेत लेकर आईं, जो यह दर्शाती हैं कि वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक भूमिका-तौरों पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का आरंभ एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री की तात्कालिक प्रतिक्रिया बौद्धिक वर्ग में व्यापक स्वीकृति नहीं पा सकी। विदेश मंत्री जैसे रणनीतिक पद से स्वाभाविक रूप से अपेक्षा संवेदनशील और व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। ऐसे में उनका हालिया वक्तव्य अधिक उपयुक्त किसी पेंसेवर राजनयिक के मुख से प्रतीत होता है-शायद यह कारण है कि पूर्व विदेश सचिव की उनकी प्रशासनिक दृष्टि अब भी उनके कथनों में झलकती है, जबकि मंत्री पद उससे कहीं अधिक रणनीतिक सूक्ष्मज्ञ की मांग करता है। यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक सीमाओं को भी उजागर करती है, जहाँ जटिल विचारों के धारणा प्रभावित हूँ। इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इजरायल के प्रति रूख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध-समर्थन के बजाय निर्णायक भूमिका हेतु आवश्यक विश्वास और

हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत को पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से 'संतुलन' पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसत्यदी प्रतीत होती है। एक ओर इजरायल के साथ बढ़ती रणनीतिक सहयोग है, तो दूसरी ओर अरब देशों के साथ ऊर्जा और प्रवासि हितों की अनिवार्यता-परंतु इनके बीच अर्थात् नैतिक स्पष्टता का अभाव दिखता है। घरेलू स्तर पर उभरने वाली संप्रदायिक घटनाएँ मुस्लिम जनत में भारत की छवि को प्रभावित करती हैं, जिससे विश्वास में सूक्ष्म दरारें पड़ती हैं। ईरान द्वारा तेल टैंकरो को अनुमति देने के संदर्भ में 'जनसमर्थन' का उल्लेख भी संकेत देता है कि वह केवल सरकार नहीं, बल्कि भारतीय समाज और जनमत को भी संबोधित करना महत्व है-अर्थात् कूटनीति में सामाजिक धारणा की भूमिका बढ़ती जा रही है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी पश्चिम एशिया नीति को अधिक स्पष्ट, सुसंगत और नैतिक आधार प्रदान करे, ताकि बढ़ती भू-राजनीतिक जटिलताओं के बीच उसकी रणनीतिक स्थिति विश्वसनीय और संतुलित बनी रहे; अन्यथा 'रणनीतिक स्वायत्तता' की अवधारणा केवल एक औपचारिक और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति बनकर रह जायेगी। हंगरी में दक्षिणपंथी सरकार का प्रभाव कमजोर होना यह संकेत देता है कि लंबे समय तक एक वैचारिक धारा के प्रभुत्व के बाद मतदाता बदलाव की ओर झुकते हैं, विशेषकर जब आर्थिक, लोकतांत्रिक या संस्थागत मुद्दे उभरते हैं। वहीं नेपाल में सत्ता परिवर्तन प्रायः आंतरिक अस्थिरता और गठबंधन-राजनीति का परिणाम है, जहाँ विचारधारा से आर्थिक सत्ता-समीकरण निर्णायक रहते हैं। ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि आज के मतदाता केवल वैचारिक अपील नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, आर्थिक प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय छवि जैसे ठोस पल्लुओं पर निर्णय लेते हैं।

अंततः, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के समक्ष चुनौती केवल आर्थिक या कूटनीतिक नहीं, बल्कि अपनी विश्वसनीयता और नैटिवि के पुनर्संतुलन की भी है, और यही संतुलन उसकी वास्तविक वैश्विक भूमिका को आकार देगा।

## अजब गजब प्रचार से अजब गजब ढहाते उम्मीदवार

## व्यंग्य

## डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।



हमारी कॉलोनी में दो जुड़वा भाई रहते हैं जब एक जैसे चेहरे,कद,काठी के दोनों हुए तो माता-पिता ने उनमें से एक का नाम अजब और दूसरे का नाम गजब रख दिया । इनका नाम अजब गजब इसलिए रखा कि कलयुग में अजब गजब की यह जोड़ी अजब गजब धूम मचाएगी। इस तरह अजब और गजब तरह-तरह के नुस्खे इजाद करने लगे। अजब गजब, अजब- गजब,तरीके अपनाने लगे। कुल मिलाकर अजब गजब अनेक क्षेत्रों में रोल मॉडल बन गए ।

अजब गजब का इतना मर्तबा बढ़ गया कि घर में, ऑफिस में ,व्यापार में, सामाजिक कार्य में,

आध्यात्मिक रूझान में,आर्थिक क्षेत्र में , यहाँ तक की राजनीति में भी अजब गजब की तरह अजब – गजब तरीके अपनाए जाने लगे। जब राजनीति में सत्ता में आने के लिए रेवड़ी कल्चर खो तो माले मुफ्त,दिल ए बेरहम और मुफ्त चलाते के कारण जिन्हें सत्ता हासिल नहीं हुई वे लोग धिक्कारने लगे। लेकिन इस कल्चर को छोड़,अजब गजब, कल्चर को कुछ उम्मीदवारों ने अपनाया तो जो उम्मीदवार अपना,अजब गजब,हरकत नहीं करने से राजनीति से जो बाहर हो रहे थे उनके जीवन में, बहार, आ गई। चाहे छोटा चुनाव हो या बड़ा अजब गजब तरीकों से उम्मीदवार, चुनाव जीतने में लग गए। अभी चल रहे चुनाव में उम्मीदवारों ने, अजब गजब, प्रचार किया। और अजब गजब से अजब गजब ढहाने लगे। उन्होंने जनसंपर्क का अजब

गजब तरीका अपनाया,वोटर को लुभाने के लिए कोई उम्मीदवार पकोड़े तल रहा है और इस अजब गजब हरकत को अजब गजब तरीके से देख कुछ उम्मीदवार घर में चूल्हे चौके में जाकर रोटियां बेल रहे है वे रोटो बेल कर अलग-अलग तरीके से अपने विरोधी उम्मीदवार के चुनाव के बाद बेल, न होने और जेल में पहुचाने की अजब गजब बातें पेल रहे है। एक ने तो अजब गजब की पराकाष्ठा कर दी,वह सड़क किनारे बैटकर लोगों की हजमत बनाने का अजब गजब खेल करने लगा। चुनाव में उसने दाढ़ी में हाथ डालने से लेकर दाढ़ी बनाने तक का अजब गजब. तरीका अपनाया। यह नेत्र विशेषज्ञ होने से आंखों की जांच कर मतदाता की वोट देने की नजर भापने के लिए आंखों का इलाज

कर रहा। यही नहीं कोई उम्मीदवार अजब गजब राजस्थानी,करमीरी ढोल से चर्चित हो रहे है। कोई अपने चुनाव चिन्ह को गले में स्ट्रेथ स्कोप की तरह लगाकर बीमार की फीस नहीं लेकर मतदाताओं रहे है वे रोटो बेल कर अलग-अलग प्रकार को देखकर छूट भैया से माननीय बनने की इन जुड़वा अजब गजब भाइयों ने जब चुनाव लड़ने की ठानी तो अजब गजब तौर तरीकों से चुनाव जीत गए। फिर क्या था अब दोनों एक जैसे सफेद चक, कलफदार कपड़े पहनने लगे,एक जैसी दाढ़ी कटिंग, एक जैसे शूज, वे जब अजब गजब दिखने से चर्चा में आने लगे तो उन्होंने हर जगह निमंत्रण आने लगे अजब गजब की जोड़ी गज अभी अतिथि के रूप में जाकर अजब गजब हरकत करती तो लोग अजब गजब टहाके लगाकर उनके

अजब गजब जलवे को और प्रभावी बना देते हैं। अजब गजब हमेशा इसलिए खुश रहते हैं की अजब प्रेम की गजब कहानी उन्हीं को लेकर बनी है और गजब है तेरी माया इसे कोई समझ नहीं पाया, जब अजब जुदा तो गजब भी जुदा रहता। अजब के साथ गजब की हरकतों ने अनेक फैसले और हकीकतों का गजब आईना लोणे को बता दिया। अजब गजब जुनिया में अजब गजब के आइकॉन हो गए।

अजब गजब में से अजब, जब अजब की ड्रेस पहन कर गजब की भीड़ में पहुचा तो अजब पॉजिटिव लगने लगा और गजब, गजब की भीड़ के कारण नेगेटिव दिखने लगा। इस तरह अजब गजब के खेल ने अजब गजब के दौर में हर कदम अजब तौर पर उठा कर गजब ढहा दिया ।



# देश की 10 'सेफ सिटीज' में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में मध्यप्रदेश से एकमात्र धार का चयन

धार से राजेश शर्मा

आज का दिन धार-महू संसदीय क्षेत्र खासकर आदिवासी बाहुल्य धार जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा। देश की 10 'सेफ सिटीज' में विशिष्ट उपलब्धि के रूप में मध्यप्रदेश से एकमात्र धार का चयन होने से, धार देश के मानचित्र पर आ गया है। 'सेफ सिटी' परियोजना के माध्यम से धार जिले को एक सुरक्षित, सशक्त और आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के अथक प्रयास रंग लाए और धार को यह सौभाग्य मिला है।

गौरतलब है कि वर्ष 2026 के लिए देशभर के 10 प्रमुख शहरों को 'सेफ सिटीज' परियोजना के अंतर्गत चयनित किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश से ऐतिहासिक नगरी धार को स्थान मिला है। यह चयन धार जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, जो क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

**चयनित स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट लाइटिंग, महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस सहायता व्यवस्था, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ किया जाएगा**

इस परियोजना के तहत धार एवं लोकसभा क्षेत्र के चयनित स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना तैयार की जाएगी। आधुनिक तकनीकों जैसे सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट लाइटिंग, महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस सहायता व्यवस्था तथा सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके साथ ही जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित यह महत्वाकांक्षी परियोजना महिलाओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता में भी वृद्धि होगी। उपलब्धि से पूरे लोकसभा क्षेत्र को जनता में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

**केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के प्रयास लाए रंग, लोकसभा क्षेत्र में लिखी जा रही विकास की नई इबारत**



**लोकसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है**

धार-महू संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर निरंतर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। उनके सक्रिय नेतृत्व और दूरदर्शी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज लोकसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। आधारभूत संरचना से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में प्रगति देखने को मिल रही है। इसी क्रम में धार जिले को एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्रीय मंत्री के विशेष प्रयासों से केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 'निर्भया फंड' के अंतर्गत धार को 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत संकेत का प्रतीक है।

**प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही: सावित्री ठाकुर**

इस उपलब्धि पर सुबह सवरे के संवाददाता राजेश शर्मा ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर से विशेष चर्चा की तो उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी बाहुल्य जिलों के लिए बेहद संवेदनशील हैं और लगातार सौगात दे रहे हैं। धार जिले को भी प्रधानमंत्री मोदीजी एक से बढ़कर एक उपलब्धियां और सौगात दे रहे हैं। मेरी मांग पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने देशभर के 10 प्रमुख शहरों की 'सेफ सिटीज' परियोजना में धार को शामिल कर हमें बड़ी उपलब्धि दी है।

सावित्री ठाकुर जी ने प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'सेफ सिटी' परियोजना के माध्यम से धार जिले को एक सुरक्षित, सशक्त और आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

## तापमान 38 डिग्री पहुंचा, 40 के पार जाने का अनुमान

बैतूल। जिले में गर्मी ने फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। अल्ट्रा वायलेट (यूवी) इंडेक्स 11 दर्ज किया गया है, जो अत्यधिक खतरनाक स्तर पर है। पिछले दो दिनों में आसमान में बादल छाए रहने से गर्मी का अहसास कुछ कम हुआ था और उमस बढ़ी थी। हालांकि, बुधवार को तेज धूप और तपते सूरज के कारण खुले में निकलना मुश्किल हो गया। शाम तक तापमान के 39-40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। आर्द्रता मात्र 17 प्रतिशत रहने से मौसम शुष्क बना हुआ है। हवा की गति करीब 14 किलोमीटर प्रति घंटे रही, लेकिन इससे गर्मी में ज्यादा राहत नहीं मिल सकी।



**हीट वेव जैसी स्थिति फिलहाल नहीं- मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल हीट वेव जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण लू जैसे हालात बनने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है। पिछले कुछ दिनों के तापमान**

पर गौर करें तो अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है। पहले जहां यह 39.5 से 39.7 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया था, वहीं अब यह 38 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहते हुए फिर बढ़ने के संकेत दे रहा है। न्यूनतम तापमान भी 21.8 से बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे रात में भी हल्की गर्माहट बनी हुई है।

**बैतूल।** मुलताई में हुई आगजनी और दंगों की एक दर्दनाक कहानी सामने आई है, जिसने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया। माता-पिता की मौत के बाद अब दो मूक-बधिर बेटे-नीतीश बचले और शुभम बचले-पूरी तरह से निराश्रित और असहाय हो गए हैं। इस हृदयविदारक घटना को लेकर पूर्व विधायक एवं किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने जिला कलेक्टर बैतूल को पत्र

**● पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम ने कलेक्टर से लगाई गुहार-राहत राशि, नौकरी और पुनर्वास की मांग**

लिखकर तत्काल सहायता और पुनर्वास की मांग की है। दंगों से शुरू हुई त्रासदी, मौत तक पहुंची कहानी पत्र के अनुसार, 9-10 अक्टूबर 2025 को मुलतापी में दंगाइयों द्वारा नामदेव बचले के दो ठेलों सहित 11 अन्य ठेलों और दुकानों में आगजनी और लूटपाट की गई थी। इस घटना में नामदेव बचले को करीब 65 हजार रुपए का नुकसान हुआ। इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का



पहाड़ टूट पड़ा। 19 जनवरी 2026 को पत्नी सरिता बचले का निधन हो गया। और गहरे सदमे में 18 अप्रैल 2026 को नामदेव बचले ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली अब इस चार सदस्यीय परिवार में केवल दो बेटे ही बचे हैं, जो मूक-बधिर हैं और पूरी तरह असहाय स्थिति में जीवन जीने को मजबूर हैं। मूक-बधिर बेटों की हालत बेहद दयनीय नीतीश और शुभम बचले न सिर्फ अपने माता-पिता को खो चुके हैं, बल्कि जीविकोपार्जन का कोई साधन भी उनके

पास नहीं है। नीतीश बचले ने ब्रेल लिपि के माध्यम से बीए तक शिक्षा प्राप्त की है, इसके बावजूद रोजगार के अवसर न होने से उनका भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। अब तक दर्ज नहीं हुई एफआईआर, प्रशासन पर उठे सवाल सबसे गंभीर पहलू यह है कि इतनी बड़ी आगजनी और लूटपाट की घटना के बावजूद अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इस पर भी पत्र में चिंता जताते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए गए हैं।

**5 लाख की राहत राशि और नौकरी की मांग**

डॉ. सुनीलम ने कलेक्टर से मांग की है कि पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाए। नीतीश बचले को शासकीय नौकरी देकर पुनर्वास किया जाए परिवार को जीविकोपार्जन के लिए नया टेला शुरू करने हेतु आर्थिक सहायता दी जाए पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि परिवार के पास संबल कार्ड और आयुष्मान कार्ड उपलब्ध हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है।

प्रशासन से मानवीय हस्तक्षेप की उम्मीद पूर्व विधायक ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि इस मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान की जाए। साथ ही, उन्होंने कलेक्टर से व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलकर सांत्वना देने की भी अपील की है।

**निष्कर्ष-** यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता और व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल है। अब देखा होगा कि जिला प्रशासन इस मार्मिक अपील पर कितनी जल्दी और प्रभावी कार्रवाई करता है, ताकि दो असहय बेटों को एक नई उम्मीद मिल सके।

## महिला आरक्षण पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने छीना पुतला

**पुतला दहन की कोशिश नाकाम, पुलिस ने वाटर कैनन से रोका**

**बैतूल।** गंज क्षेत्र स्थित टॉकीज चौखंड पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का पुतला जलाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाटर कैनन



से पानी की बौछार कर पुतले को छीन लिया और स्थिति को नियंत्रित किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोनिका निरापुरे और ग्रामीण अध्यक्ष पुष्पा पंद्रम ने किया। पार्श्व नदिनी तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। मोनिका निरापुरे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले ही महिला आरक्षण बिल पेश कर चुकी है और इसे 2023 में पारित किया गया, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे लागू नहीं किया। उनका कहना था कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के नाम पर जनगणना और परिसंयमन की शर्त लगाकर इसे टालने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि महिला आरक्षण को बिना किसी शर्त के जल्द से जल्द लागू किया जाए, ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

## स्कूलों का वातावरण बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाए: कलेक्टर डॉ. सोनवणे

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को प्रभात पट्टन क्षेत्र के ग्रामों के भ्रमण के दौरान प्राथमिक शाला जामुनढाना का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हार्जरी रजिस्टर का अवलोकन कर छात्रों की उपस्थिति, पाठ्यपुस्तक वितरण एवं मिड-डे मील की व्यवस्था की जानकारी ली। स्कूल में व्यवस्थाएं संतोषजनक न मिलने पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शासन एवं जनभागीदारी के सहयोग से स्कूलों का समग्र वातावरण बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाए। उन्होंने डेस्क-बेंच की पर्याप्त व्यवस्था, स्कूल भवन का रंगरोजन तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए उपलब्ध रुचिपूर्ण पुस्तकों को अलमारी में बंद रखने के बजाय व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित करने और उनके अध्ययन के लिए प्रेरित करने को कहा। खेलकूद गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश भी शिक्षकों को दिए। खोइसके पश्चात कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र

**आंगनवाड़ी में भोजन चखकर गुणवत्ता परखी, जर्जर भवन की मरम्मत के निर्देश**



का निरीक्षण कर कुपोषित बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पंजीयन तथा पोषण आहार वितरण की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी में पोषण केंद्र का रेंडरिंग करवाकर मरम्मत की गुणवत्ता भी परखी।

निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी भवन जर्जर स्थिति में पाए जाने तथा छत से पानी रिसाव की समस्या सामने आने पर कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने भवन की शीशर मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी में शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की।

पानी का स्थायी स्रोत नहीं होने पर जल जीवन मिशन के तहत स्कूल और आंगनवाड़ी में जल स्रोत विकसित कर नियमित पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद सीईओ आंचल पवार, तहसीलदार संजय बैरिया, तहसीलदार यशवंत पंचायत, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला गिजरा श्रीमती इंदिरा महतो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## अपर कलेक्टर वंदना जाट ने आमजनों को स्वगणना के लिये किया प्रेरित

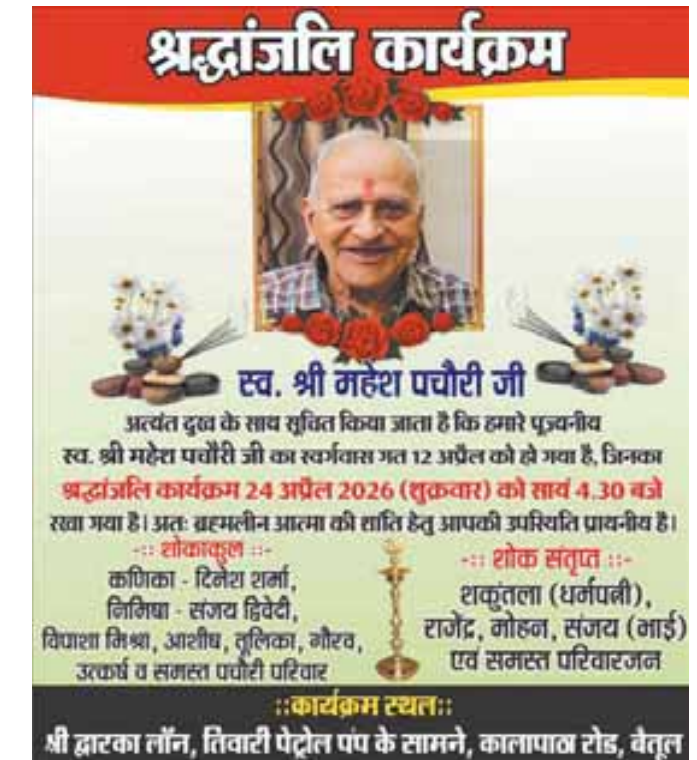
**एचएलओ ऐप में 33 प्रश्नों के सटीक संकलन का प्रशिक्षण**

10 ग्रामीण एवं 9 नगरीय चार्ज अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 1040 प्रणणक एवं 190 पर्यवेक्षक सहभागी बनेंगे। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को एचएलओ हाउस लिस्टिंग एप्लीकेशन के प्रभावी संचालन के साथ-साथ उसमें निर्धारित 33 महत्वपूर्ण प्रश्नों के सटीक एवं व्यवस्थित संकलन की तकनीक सिखाई जाएगी। चूंकि ये प्रश्न आम नागरिकों की घरेलू स्थिति एवं उपलब्ध संसाधनों से जुड़े हैं, इसलिए उनके संकलन में शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रशासनिक पद्धति अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रश्न पृष्ठने की प्रभावी शैली, संवाद कौशल तथा ऐप में नूटिफिकेटेड डेटा प्रविष्टि की बारीकियों का व्यवहारिक अभ्यास कराया जाएगा, जिससे जनगणना कार्य अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बन सके।

## अपर कलेक्टर वंदना जाट ने आमजनों को स्वगणना के लिये किया प्रेरित

**बैतूल।** जनगणना 2027 के लिए जिला बैतूल में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट द्वारा अपनी प्रत्यक्ष उपस्थिति में स्थानीय स्तर पर स्वगणना की व्यापक जानकारी मय स्टॉफ प्रदाय करके अधिकतम लोगों से स्वगणना करने की अपील की गई। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि जनगणना 2027 पूर्वत-डिजिटल जनगणना है एवं इसका आकर्षक पहलू स्वगणना सेल्फ इनुमरेशन है। मध्यप्रदेश में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वगणना होगी। जिले में पुराने एवं नए कलेक्ट्रेट कार्यालय, बस स्टैंड के आसपास तथा स्थानीय स्तर पर स्थित कार्यालयों में जिला जनगणना कार्यालय द्वारा अभिनव डिजिटल पहलू स्व-गणना करवाई गई। इस दौरान स्टॉफ को स्व-गणना के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वयं गणना करने के लिए प्रेरित किया गया।

**आमजन को प्रेरित करने हेतु मार्गदर्शन-** उक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के स्टाफ को स्व-गणना के लाभ, इसकी सरल प्रक्रिया एवं समय की बचत के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराते हुए स्व-गणना की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। इस पहल का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुलभ एवं प्रभावी बनाना है, साथ ही डिजिटल माध्यम के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना भी है। स्व-गणना को प्रोत्साहित करने के लिए अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट मय स्टॉफ द्वारा आमजन को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभिनव डिजिटल पहल से जुड़कर स्वयं अपनी गणना सुनिश्चित कर सकें।





# सतना में अनियंत्रित होकर नहर में गिरा सरिया लदा ट्रक, तीन की दर्दनाक मौत

**सतना(नप्र)।** मध्यप्रदेश में सतना-रीवा नेशनल हाईवे-39 पर बुधवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। नेमुआ मोड़ के पास सरिया से लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर ड्रिवाइडर तोड़ते हुए सीधे नहर में जा गिरा। इस हृदय विदारक घटना में ट्रक सवार चालक, क्लीनर और एक मजदूर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। ट्रक के केबिन में फंसे शवों को निकालने के लिए पुलिस को कटर मशीन और क्रेन की मदद लेनी पड़ी है। तब जाकर सभी के शव बाहर निकाले जा सके हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 8 बजे के आसपास हुआ। सरिया लोड कर जा रहा ट्रक जैसे ही नेमुआ मोड़ के पास पहुंचा, चालक ने संतुलन खो दिया। ट्रक ड्रिवाइडर से टकराते हुए उसे पार कर गया और गहरे ढलान के साथ नहर में जा गिरा। ट्रक इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ कि अंदर सवार तीनों लोगों को सभलने तक का मौका नहीं मिला और वे मलबे व सरियों के बीच दब गए।



**कटर मशीन से काटकर निकाले गए शव** - राहगीरों की सूचना पर रामपुर बघेलान थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक की बाँड़ी पिचक जाने के कारण शव अंदर बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस ने क्रेन बुलाकर पहले ट्रक

को सीधा कराया, जिसके बाद दो शव निकाले जा सके। तीसरे शव को निकालने के लिए गैस कटर का उपयोग कर ट्रक की बाँड़ी को काटा गया। करीब 4 घंटे चले इस भारी रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तीनों मृतकों को बाहर निकाला जा सका।

**पैहर के रहने वाले थे दो मृतक** - पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले तीन में से दो लोगों की शिनाख्त हो गई है। दोनों मृतक पैहर जिले के निवासी हैं। मृतकों की पहचान दिलीप केवट (पिता राजेश केवट), निवासी ग्राम पडरी, पैहर, विष्णु केवट (पिता माखनलाल केवट), निवासी रामगढ़, पैहर के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं, जो संभवतः क्लीनर या अन्य मजदूर बताया जा रहा है।

**हाईवे पर लगा रहा लंबा जाम** - हादसे की भयावहता को देखते हुए एडिशनल एस्पी और तहसीलदार सुजीत नांगश भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान हाईवे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने एम्बुलेंस के जरिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और क्रेन की मदद से खलिग्रस्त ट्रक को हटाकर करीब 5 घंटे बाद हाईवे पर आवागमन सुचारु कराया है। पुलिस ने मार्ग कायम कर लिया है और यह जांच की जा रही है कि हादसा वाहन में तकनीकी खराबी के कारण हुआ या चालक को झपकी आने की वजह से।

## शाजापुर में हाईवे पर गदर, गेहूं रिजैक्ट हुआ तो भड़के किसान

**जाम में फंसे दूल्हे से बोले- 'करो जोरदार अभिनंदन'**

**शाजापुर (नप्र)।** मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल क्षेत्र में मंगलवार को उस समय अर्जोबगरीब स्थिति बन गई, जब अपनी उपज बेचने आए किसानों का धैर्य जवाब दे गया। ग्राम खरदौनकलां स्थित श्रीराम वेयरहाउस पर सर्वेयर द्वारा गेहूं रिजैक्ट किए जाने से नाराज किसानों ने कालापीपल-कुवार स्टेट हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी कर चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक हाईवे पर पहिए थमे रहे, लेकिन इस तनावपूर्ण माहौल के बीच किसानों का एक मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला।

**चक्काजाम में दूल्हे से ठिठोली** - जाम के दौरान वहां से एक दूल्हा अपनी दुल्हन के साथ निकल रहा था।

किसानों ने दूल्हे की गाड़ी को रोक लिया और उसे पास बुलाकर मजाकिया अंदाज में पूछा- कहे बंशीलाल जी, इतनी धूप में खड़े होकर कैसा लग रहा है? करो इनका जोरदार अभिनंदन। जब किसानों ने पूछा कि मुहूर्त तो नहीं निकल रहा, तो दूल्हे ने हंसेते हुए जवाब दिया- लगन तो हो गई, अब तो बस देवी-देवताओं की पूजा करने जा रहे हैं। इस पर किसानों ने फिर चुटकी ली और माहौल खुशनुमा हो गया।

**3-3 बार फेल हो रहा सैपल** - किसानों का आरोप है कि उपार्जन केंद्र पर अधिकारी नमी और गुणवत्ता का हवाला देकर बार-बार गेहूं लौटा रहे हैं। एक किसान ने बताया कि तीन-तीन बार सैपल फेल होने से उन्हें बार-बार



जाए। सर्वेयर की मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी। किसान पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं, ऊपर से नमी के नाम पर परेशान करना गलत है। 3 बार सैपल फेल होने का मतलब है किसान पर दोगुना आर्थिक बोझ।

**तहसीलदार के आश्वासन पर खुला जाम** - मौके पर पहुंचे तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव ने किसानों से लंबी चर्चा की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान किया जाएगा। पुलिस (एसआई रवि भंडारी) ने बताया कि गेहूं में मिट्टी होने के कारण ग्रेडिंग की समस्या थी। बाद में समझाइश के बाद किसानों को रोड से हटाया गया और ग्रेडिंग के बाद गेहूं की तुलाई शुरू हुई।

## दोस्त ने धोखा दिया, अब जीकर क्या करूं ?

● **खरगोन में किसान ने की आत्महत्या, वीडियो में दोस्त और उसके बेटे को ठहराया जिम्मेदार**

**खरगोन (नप्र)।** जिले के गोगावां थाना क्षेत्र के ग्राम रेहमांव में एक किसान ने कथित तौर पर अपने ही दोस्त की धोखाधड़ी से आहत होकर खेत में कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले किसान ने एक वीडियो बनाकर दोस्त और उसके बेटे पर जमीन सौदे में लाखों रुपए की धोखाधड़ी, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले में आरोपित पिता-पुत्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

**जमीन के सौदे का मामला** - पुलिस के अनुसार मृतक किसान सालकराम (45) पिता मोतीराम ने गांव के ही तीन भाइयों, राजू, बोंद्रे और जितेंद्र (पिता रामेश्वर गुप्ता) से 7.52 एकड़ जमीन का सौदा किया था। यह सौदा उसने अपने करीबी मित्र सुरेश यादव के नाम से किया था। बयाना राशि एक लाख रुपए सहित दस्तावेजी खर्च भी सालकराम ने ही वहन किया था। तय हुआ था कि पांच माह में पूरी राशि अदा कर रजिस्ट्री कराई जाएगी। इस सौदे की पुष्टि गवाहों ने भी की है।

**रुपए लौटाने का आरोप** - मृतक द्वारा बनाए गए वीडियो में उसने बताया कि उसने राजू व जितेंद्र गुप्ता को 22 लाख 7 हजार 300 रुपए तथा अपने मित्र सुरेश यादव को 45 लाख रुपए दिए थे। इसके बावजूद सुरेश ने रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। किसान ने यह भी आरोप लगाया कि सुरेश यादव और उसके बेटे कमलेश यादव ने उसे घर बुलाकर गाली-गलौच की और उसे व उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी। वीडियो में ग्राम बिलखेड़ निवासी श्याम पर भी धमकाने के आरोप लगाए गए हैं।

## सीएम बोले- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे

## माफी मांगें, पीएम पर टिप्पणी निंदनीय

## मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था- मोदी

## आतंकवादी की तरह, बाद में कहा- ऐसा नहीं बोला

**भोपाल (नप्र)।** तमिलनाडु चुनाव प्रचार में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम मोदी को आतंकवादी कहने पर एमपी के मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई है। सीएम मोहन यादव ने बयान की निंदा करते हुए खड़गे से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का इस तरह का बयान गैर-जिम्मेदाराना है, उनको अपने आचरण और व्यवहार पर विचार करना चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह की टिप्पणी निंदनीय है। मैं मांग करता हूँ कि कांग्रेस अध्यक्ष माफी मांगें और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचें।

**खड़गे ने कहा था- मोदी आतंकवादी की तरह** - कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में मंगलवार को पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद खड़गे ने अपने बयान पर सफाई दी। खड़गे ने कहा था 'मोदी एक आतंकवादी की तरह हैं जो समानता में विश्वास नहीं रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती।' उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं।

## पटवारी सुसाइड केस में एवशन

## नायब तहसीलदार निलंबित

● **परिजनों का पोस्टमार्टम से इनकार, एफआईआर की मांग को लेकर विधायक भी धरने पर**

**रतलाम (नप्र)।** रतलाम के आलोट में पदस्थ पटवारी रविशंकर खराड़ी के सुसाइड मामले में बढ़ते विरोध के बाद कलेक्टर मिशा सिंह ने नायब तहसीलदार सविता राठौर को निलंबित कर दिया है। मंगलवार रात से ही मृतक के परिजन और पटवारी संघ नायब तहसीलदार पर केस दर्ज करने की मांग को लेकर थाने में धरने पर बैठे थे। बुधवार सुबह परिजनों ने एफआईआर दर्ज होने तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और मेडिकल कॉलेज में धरने पर बैठ गए। वर्तमान में सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार और जयस नेहाओं के साथ परिजन अपनी मांग पर अड़े हैं, वहीं प्रशासनिक अधिकारी उन्हें लगातार समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

# जल संरक्षण में सभी की सहभागिता हो, सबको जोड़ें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**पानी बचाने में मध्य प्रदेश है देश में तीसरे स्थान पर**

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल बचाने में समाज की भागीदारी जरूरी है, इसीलिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से सब जुड़े, सभी अपना सहयोग दें, हम सबको मिल-जुलकर यह करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पानी बचाना हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है। हम सालों से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए जल संरक्षण को जल आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। यह अभियान की सफलता ही है कि हमारा मध्यप्रदेश जल संचयन के मामले में नेशनल रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आया है। प्रदेश में जल संरक्षण के लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ का वित्तीय लक्ष्य तय किया गया है। विभिन्न श्रेणियों के कुल 2.44 लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य चिन्हित कर करीब 6 हजार 236 करोड़ रुपये की लागत से जल विकास-निकास एवं विस्तार कार्य कराये

जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा में यह जानकारी देकर सभी को अपने प्रभार के जिलों में इस अभियान की नियमित समीक्षा करने तथा जल संचायन के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह में राज्य सरकार को मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी भी दी।

**स्कूल शिक्षा में 15 अप्रैल को आया पिछले 16 साल का सर्वश्रेष्ठ परिणाम - बेटियां रहीं अक्ल** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 15 अप्रैल को मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ली गई कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित हुआ। हमेशा की तरह इस बार भी होनहार बेटियां अक्ल रहीं। हमारी बेटियों को बेटों से 10 प्रतिशत अधिक सफलता मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इस बार के परिणाम पिछले 16 सालों के बोर्ड परीक्षा परिणामों में सर्वश्रेष्ठ रहे। यह हमारी सरकार द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए किए जा रहे नवाचारों और सांदीपन

विद्यालयों की सफलता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में असफल विद्यार्थियों को 'रुक जाना नहीं परीक्षा योजना' के तहत 'द्वितीय परीक्षा अवसर' भी दिया जा रहा है। द्वितीय अवसर की परीक्षाएं 7 से 25 मई तक आयोजित होंगी। एक साल में दो परीक्षाएं आयोजित कर मध्यप्रदेश सरकार ने बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को बहुत बड़ी राहत दी है।

**अमरकंटक को 'नो मूवमेंट-नो कंस्ट्रक्शन जोन' बनाने की आवश्यकता** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि नर्मदा माता के उद्गम स्थल अमरकंटक को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 13 अप्रैल को अमरकंटक में ही नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि यह मनोरम स्थल प्रकृति की गोद में आध्यात्मिक शांति पाने का उत्तम केंद्र है। हम इस स्थल के विकास के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। अमरकंटक को 'नो मूवमेंट एवं नो कंस्ट्रक्शन जोन' निर्धारित करने की आवश्यकता है, जिससे निर्वासी-संस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि हम

अमरकंटक का इकोलॉजिकल बैलेंस में रखने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि मोक्षदायिनी (पापनाशिनी) नर्मदा माता की शुचिता और पवित्रता अक्षय बनी रहे।

**संकल्प से समाधान अभियान - 99.90 प्रतिशत आवेदनों का हुआ निराकरण** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में इसी साल 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया। अभियान में सरकार को 45.69 लाख से अधिक आवेदन मिले। इनमें से 47.68 लाख प्रकरणों का समाधान करते हुए 99.90 प्रतिशत आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी जरूरतों की पूर्ति की दिशा में बेहद अच्छा प्रयास साबित हुआ। इसने प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी प्रशासन को और मजबूत किया है।

**21 प्रतिशत से अधिक आबादी के समग्र विकास की पूरी चिंता** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 अप्रैल

को राज्यस्तरीय जनजातीय उपयोगना कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला प्रदेश की 21 प्रतिशत से अधिक आबादी (जनजातीय वर्ग) के समग्र विकास और कल्याण की नई रूपरेखा बनाने का महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म साबित हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूरी चिंता के साथ जनजातीय वर्ग के हितों की सुश्रुषा के लिए समुचित वित्त व्यवस्थापन एवं प्रबंधन किए हैं।

**ओरछा-चंदेरी के लिए शुरू हुई पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया गया। हमारे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। इससे न केवल पर्यटन का विकास होगा बल्कि आर्थिक एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हेलीकॉप्टर का क्रियारा, टैक्सी का शुल्क 1150 रुपए और दर्शन एवं प्रसाद के लिए 350 रुपए का भुगतान करना होगा। यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है।

## रीवा में उतरेंगे एयरबस जैसे बड़े विमान

**रनवे 2300 मीटर करने 140 एकड़ जमीन का होगा**

**अधिग्रहण, 340 करोड़ मुआवजा मिलेगा**

**रीवा (नप्र)।** रीवा एयरपोर्ट पर भविष्य में एयरबस (एयरबस 320) जैसे 150 से 180 सीटर बड़े विमानों की लैंडिंग कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए रनवे की लंबाई 1800 मीटर से बढ़ाकर 2300 मीटर की जाएगी और 140 एकड़ अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। वर्तमान में प्रशासन ने जमीन का सीमांकन कर रिपोर्ट भोपाल भेज दी है, वहीं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के अनुसार अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले 830 किसानों को 340 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है।

**140 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, रिपोर्ट भोपाल भेजी** - रीवा एयरपोर्ट का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिसके बाद इसे 'हवाई हब' के रूप में विकसित करने की योजना है। एयरपोर्ट विस्तार के लिए करीब 140 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रशासन द्वारा जमीन के सीमांकन का कार्य पूरा कर रिपोर्ट भोपाल भेज दी गई है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि



हो गई है कि रीवा में हवाई यात्रा को लेकर काफी पोटेंशियल है। जिस वजह से सरकार ने भी रीवा एयरपोर्ट का विस्तार करने पर सहमति जताई है।

**2300 मीटर होगा रनवे, अभी सिर्फ एटीआर-72 की होती है लैंडिंग** - वर्तमान में रीवा एयरपोर्ट का रनवे लगभग 1800 मीटर लंबा है। यह रनवे अभी केवल एटीआर-72 जैसे छोटे विमानों के लिए ही उपयुक्त है और अब तक यहां ऐसे ही विमान संचालित होते रहे हैं।

# धार के गांव में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों को झपट्टा मार-मारकर गिराया

**चार लोग हुए घायल, रेस्क्यू में जुटी फॉरेस्ट टीम**



**धार (नप्र)।** मध्यप्रदेश के धार जिले के धामनोद के गुजरी डेहरिया गांव में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक तेंदुआ अचानक रहिवासी इलाके में घुस आया। तेंदुए ने बस्ती में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया जिससे एक महिला सहित कई लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में डर का माहौल बन गया और लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए।

**घायलों को धार जिला अस्पताल किया गया रेफर** - वहाँ, घायलों को पहले गुजरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से हालत को देखते हुए सभी

उसने राह चलते लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हमले में महेश वास्केल, ग्यारसी लाल सोलंकी, काताबाई राठोड़ और विकास खवर सहित अन्य लोग घायल हुए हैं। बाद में जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की तो उसने वनरक्षक ददू सिंह भी घायल हो गए।

**घायलों को धार जिला अस्पताल किया गया रेफर** - वहाँ, घायलों को पहले गुजरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से हालत को देखते हुए सभी

## धीरेंद्र शास्त्री बोले-नक़टा तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले

● **लेंसकार्ट के तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी पर भड़के, कहा- बेटा गड़बड़ हो गए हो तुम, सुधर जाओ**

**खजुराहो (नप्र)।** प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमंत कथा के दौरान लेंसकार्ट कंपनी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा- एक कंपनी है उसका नाम लेंसकार्ट है, उसने बोला है अपनी कंपनी के वर्करो को कि हमारे यहां कोई तिलक लगा के नहीं आ सकता, मंगलसूत्र पहन के नहीं आ सकता, सिंदूर लगा के नहीं आ सकता। पं. धीरेंद्र ने कहा- टटरी के बरे ! नक़टा ! तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? आगि के लगे ! तेरो कक्का को भारत है का? हं ! हमारे तो बाप का भारत है। हं ! जिनको तिलक से, चंदन से, वंदन से, राम से, श्याम से, हनुमान से, बाबा बागेश्वर से दिक्कत हो, वो पतली गली लाहौर खिसक लें। पं. धीरेंद्र की कथा 21 से 23 अप्रैल तक चलेगी। बता दें, लेंसकार्ट विवाद कंपनी द्वारा तिलक, सिंदूर और मंगलसूत्र जैसे धार्मिक प्रतीकों पर पाबंदी के दावे से जुड़ा है।

को जिला अस्पताल धार रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक घायलों को पेट, कंधे और चेहरे के आसपास चोटें आई हैं। वहीं कुछ लोगों के शरीर पर पंजों के निशान भी पाए गए हैं।

**गांव के आसपास छिपा हुआ है तेंदुआ** - वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ अभी भी गांव के आसपास ही छिपा हुआ है। उसे पकड़ने के लिए लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ एक पुलिसिया के नीचे पाइप में छिपा हुआ है जिसे बाहर निकालने के लिए विशेष टीम की मदद ली जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए इंदौर से भी विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है।

**यहां से भटककर गांव में पहुंचते हैं तेंदुए** - डीएफओ ने जानकारी देते हुए बताया कि इलाके के आसपास विध्याचल और मांडव के पहाड़ी क्षेत्र हैं जहां तेंदुआ की मौजूदगी सामान्य बात है। लेकिन इस तरह बस्ती में घुसने की घटना पहली बार सामने आई है। इससे पहले भी कुछ दिनों पहले नजदीक के हाईवे पर तेंदुए को देखा गया था जहां उसने एक बकरी का शिकार किया था।

# प्रदेश में 43 डिग्री तक पहुंचा पारा, भोपाल-इंदौर भी गर्म

**ग्वालियर किले पर सत्राटा, गर्मी से बचाने सज्जियों पर पानी का छिड़काव कर रहे किसान**

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के कई जिलों में दिन का तापमान 42 से 43 डिग्री के करीब पहुंच गया है, वहीं रात का तापमान भी 27 डिग्री तक बना हुआ है, जिससे लोगों को दिन-रात गर्मी से राहत नहीं मिल रही।

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में लू का अलट जा रही किया गया है। इनमें ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं।

**ग्वालियर किले में पर्यटकों की संख्या घटी** - ग्वालियर में तापमान 41 डिग्री तक पहुंच गया है। तेज गर्मी का असर पर्यटन पर भी साफ दिखाई दे रहा है। ग्वालियर किला पर दिन के समय पर्यटकों की संख्या कम हो गई है और आसपास की सड़कों पर भी सत्राटा नजर आ रहा है। टीकमगढ़ में



सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं। मंगलवार को यहाँ अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को इसके 42 डिग्री पर जाने का अनुमान है। भीषण गर्मी के कारण दोपहर में स्कूलों से लौटते बच्चों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खरगोन में भी तापमान 40 डिग्री के ऊपर बना

हुआ है और दोपहर 1 बजे के बाद लू जैसे हालात बनने लगते हैं। गर्मी का असर खेती पर भी पड़ रहा है। मिर्च के पौधों को बचाने के लिए किसान लगातार पानी का छिड़काव कर रहे हैं और नेट हाउस में तापमान नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

**सीधी में रहा था सबसे अधिक पारा** - मंगलवार को खजुराहो और नरसिंहपुर सबसे गर्म रहे। अन्य जिलों में भी तापमान 40 डिग्री के पार रहा। सीधी में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, रायसेन में 42.2 डिग्री, रतलाम में 42 डिग्री, नरसिंहपुर और सतना में 41.6 डिग्री, टीकमगढ़ और रीवा में 41.5 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों की बात करें तो जबलपुर में 40.6 डिग्री, भोपाल में 40.2 डिग्री, इंदौर में 39.9 डिग्री, ग्वालियर में 40.2 डिग्री और उज्जैन में 40 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।